आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं.1 क्षेत्रीय अखबार

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 211 | इंदौर, शुक्रवार 27 फरवरी, 2026 | फाल्गुन शुक्ल 11 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

राजस्थान में 12000 किग्राम बारूद से दहल उठेगा पाकिस्तान बॉर्डर

जैसलमेर। पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज (जैसलमेर) में भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'वायु शक्ति-2026' आज होगा। युद्धाभ्यास में सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहेंगी। वे 2 दिवसीय (26 और 27 फरवरी) जैसलमेर दौरे पर हैं। तय शेड्यूल के अनुसार- राष्ट्रपति 27 फरवरी को कॉम्बैट हेलिकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी। इस दौरान वे युद्धाभ्यास क्षेत्र का हवाई मुआयना करेंगी। यह पहली बार होगा, जब राष्ट्रपति जैसलमेर की सीमावर्ती एयरस्पेस में किसी लड़ाकू हेलिकॉप्टर की सह-पायलट बनेंगी। इसके बाद वे वायुसेना स्टेशन पर अधिकारियों और जांबाजों के साथ संवाद कर उनका हौसला बढ़ाएंगी।

अनिल अंबानी का 3,716 करोड़ का बंगला अबोड कुर्क

नई दिल्ली। रिलायंस ग्रुप के पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी 26 फरवरी को दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। अंबानी सुबह करीब 11 बजे जांच एजेंसी के दफ्तर पहुंचे, जहां उनसे विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन और फंड के डायवर्जन को लेकर सवाल-जवाब किए गए। मामला सरकारी बैंकों से उनकी कंपनियों को मिले लोन में कथित गड़बड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। सीबीआई की 2019 की एफआईआर के आधार पर ईडी इस मामले की जांच कर रही है। एक दिन पहले ही जांच एजेंसी ने मुंबई के उनके 17 मंजिला घर 'अबोड' को कुर्क कर लिया। अनिल अंबानी रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के दूसरे दौर के लिए पहुंचे। आरोप है कि उनकी कंपनियों ने बैंकों से लिए लोन का डायवर्जन किया और विदेशी मुद्रा नियमों का उल्लंघन किया।

द केरल स्टोरी 2 पर केरल हाईकोर्ट की रोक

सेंसर बोर्ड से कहा- फिल्म का दोबारा रिव्यू करें; कल सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को फिल्म द केरल स्टोरी 2 की रिलीज पर रोक लगा दी। कोर्ट ने सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर उठे सवालों के बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को दोबारा फिल्म का रिव्यू करने का निर्देश दिया। फिल्म शुक्रवार यानी 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। कुछ लोगों ने कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि फिल्म का नाम और कहानी केरल की छवि खराब कर सकती है। याचिकाकर्ताओं का कहना है, फिल्म में जबरन धर्म परिवर्तन और आतंकवाद जैसे मुद्दे दिखाए गए हैं। इससे पूरे केरल के बारे में गलत संदेश जा सकता है और लोगों की भावनाएं भड़क सकती हैं। कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि वह फिल्म देखकर फैसला करेगा, लेकिन निर्माता ने फिल्म दिखाने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि केरल में आपसी सद्भाव है, लेकिन फिल्म में ऐसा दिखाया गया है जैसे ऐसी घटनाएं पूरे राज्य में हो रही हों। फिल्म निर्माता के वकील ने कहा कि यह मामला जनहित याचिका जैसा है और याचिकाकर्ताओं ने अपना व्यक्तिगत नुकसान नहीं बताया है। याचिकाकर्ताओं ने जवाब दिया कि अगर कई लोगों को एक जैसी चिंता है तो उनकी बात भी सुनी जानी चाहिए। टीजर को लेकर भी बहस हुई। सेंसर बोर्ड ने कहा कि उसने टीजर या ट्रेलर को पास नहीं किया है, इसलिए सोशल मीडिया पर डाले गए कंटेंट के लिए वह जिम्मेदार नहीं है। प्रोड्यूसर विपुल शाह ने बुधवार को सुनवाई के दौरान फिल्म के टाइटल में बदलाव करने का भी विरोध किया था।

करप्शन इन ज्यूडीशियरी वाली एनसीईआरटी किताब पर बैन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार चैप्टर वाली एनसीईआरटी के 8वीं क्लास की सोशल साइंस की किताब बैन कर दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने किताब छापने और बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि जो किताबें छप चुकी हैं, उसे जब्त कीजिए और डिजिटल कॉपियों को भी हटाइए। कोर्ट ने इस मामले में एनसीईआरटी डायरेक्टर और केंद्रीय शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने को भी कहा है। सीजेआई ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की गहरी और सोची-समझी साजिश लगती है। जिम्मेदारों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नौकरानी ने मालिक के घर फर्जी रेड कराई, 3 लोग ईडी अफसर बनकर गए

नई दिल्ली। दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक नौकरानी ने अपने मालिक के घर पर फर्जी प्रवर्तन निर्देशालय की रेड कराई, मामला 11 फरवरी का है। 25 फरवरी को पुलिस ने रेखा देवी नाम की नौकरानी और उसकी भाभी पूजा राजपूत को पूरी साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 11 फरवरी को पुलिस की वर्दी पहने तीन लोग ईडी अफसर बनकर 86 साल के रिटायर्ड आर्किटेक्ट आरसी सभरवाल के घर में जबरन घुस गए। आरोपियों ने परिवार को धमकाया और तलाशी के दौरान मोबाइल फोन जब्त कर लिए। सभरवाल के पोते को शक हुआ तो उसने पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद तीनों आरोपी लगभग 3-4 लाख रुपये कैश, 7 महंगी घड़ियां और गहने लेकर कार से फरार हो गए।

राजस्थान के उद्यमियों को साधने की रणनीति के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भीलवाड़ा दौरा

निवेश को लेकर राजस्थान के उद्योगपतियों से बात, मप्र नदियों का मायका

एजेंसी ▸▸ पटना

राजस्थान के उद्यमियों को साधने की रणनीति के तहत मध्यप्रदेश सरकार ने पड़ोसी राज्य में निवेश आकर्षित करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को 1 दिवसीय भीलवाड़ा दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने बड़े उद्योगपतियों, खासकर टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़े उद्यमियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरीसेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर भीलवाड़ा, राजस्थान में आयोजित सनातन मंगल महोत्सव एवं संत समागम में

सहभागिता कर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनके लिए रोजगार सृजन सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सरकार बनने के साथ ही उन्होंने उद्योग विभाग का प्रभार स्वयं रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश बढ़े और रोजगार के अवसर सृजित हों, इसके लिए नई उद्योग नीति तैयार की गई, जिसका प्रभाव अब दिखने लगा है।

मारवाड़-मेवाड़ का आदमी सूखी रैती में भी तेल निकाल लेता है- कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री यादव ने उद्योगपतियों की क्षमता की तारीफ करते हुए हल्के अंदाज में कहा राजस्थान में तो मारवाड़ और मेवाड़ का आदमी सूखी रेत में भी तेल निकाल लेता है। पूरे देश के उद्योग जगत में इनका दबदबा है। सीएम ने कहा कि राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच भाईचारे का संबंध अनादि काल से चला आ रहा है और दोनों राज्यों ने विकास में एक-दूसरे का साथ दिया है।

भीलवाड़ा के कपड़ा उद्योगों को मप्र में निवेश का निमंत्रण- भीलवाड़ा को देश का 'टेक्सटाइल हब' कहा जाता है। मुख्यमंत्री यादव ने यहां के प्रमुख उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में बिजली, पानी, श्रम और औद्योगिक वातावरण बेहद अनुकूल है, जो निवेशकों के लिए बड़ी सुविधा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित पीएम मित्र पार्क भी स्थापित हो चुका है, जिससे टेक्सटाइल सेक्टर में भारी अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने संकेत दिया कि भीलवाड़ा के उद्योगपति रामपाल सोनी ने मध्यप्रदेश में लगभग 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश की इच्छा जताई है। सीएम ने आश्वासन दिया हमारी कैबिनेट और सीसीआई की संयुक्त बैठकें बड़े उद्यमियों को रियायत देने के उद्देश्य से आयोजित होती हैं। जो भी उद्योग लगाना चाहे, मध्यप्रदेश सरकार हर प्रकार का सहयोग करेगी।

संत महात्माओं से आशीर्वाद

भीलवाड़ा आगमन पर हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद डॉ. मोहन यादव ने हरी सेवा उदासीन आश्रम परिसर में चल रहे सनातन मंगल महोत्सव और दीक्षा-दान समारोह में शिरकत कर संतों का आशीर्वाद लिया राज्यों के बीच लंबे समय से चल रहे जल विवाद पर मुख्यमंत्री ने कहा मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। पानी परमात्मा की देन है। राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच कालीसिंध जल विवाद को हमने सौहार्द से हल किया। अब राज्यों के बीच सहयोग की नई परंपरा बन रही है।

मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता

इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा

मोदी बोले- जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे, इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल दौरे का आज आखिरी दिन हैं। मोदी दौरे के दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल याद वाशेम पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली

राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा। मोदी बुधवार को इजराइल पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

भाजपा ने उमर खालिद से राहुल गांधी की तुलना की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने एक बार फिर राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से करते हुए दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। जिसमें लिखा- अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। इस पोस्टर में एक तरफ उमर खालिद हैं जिसमें उसे सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कांग्रेस कार्यकर्ता की तस्वीरें है, जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं।

सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन की पीएम अजमेर से करेंगे शुरूआत

हर साल हजारों महिलाओं की जान बचाएगा यह टीका

एजेंसी ▸▸ जयपुर

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को अजमेर से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीनेशन का शुभारंभ करेंगे। हर साल देश में हजारों महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर से जान चली जाती है। एचपीवी वैक्सीन इस कैंसर से बचाने में एक बड़ा सुरक्षा कवच माना जाता है।

हजारों में कीमत होने के चलते यह वैक्सीन गरीब लोगों की पहुंच से दूर थी। अब राष्ट्रीय टीकाकरण में शामिल होने के कारण वैक्सीन

मुफ्त में लगाई जाएगी। अभियान की शुरूआत के लिए वैक्सीन की 3 लाख 60 हजार डोज राजस्थान पहुंच चुकी है।

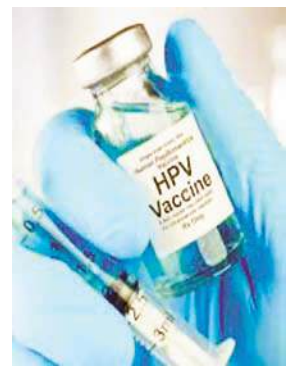

बाड़मेर में जमीन से निकल रहा क्रूड ऑयल

अब तक 55 से ज्यादा टैंकर भर चुके

एजेंसी ▸▸ बाडमेर

बाड़मेर में एक खेत में जमीन से क्रूड ऑयल निकल रहा है। पिछले 4 दिन से निकल रहे क्रूड ऑयल को एक गड्ढे में भरा जा रहा है, जिससे अब तक 55 से ज्यादा टैंकर भरे जा चुके हैं। जहां पर क्रूड ऑयल निकल रहा है, वहां से करीब 40 मीटर दूरी पर ऐश्वर्या वेलपैड (तेल का कुआं) है। अधिकारियों को इसकी पाइपलाइन में लीकेज का शक है, जिसे ढूंढने के प्रयास

किए जा रहे हैं। मौके पर केयर्न वेदांता कंपनी के अफसर मौजूद हैं। लोगों का कहना है कि यहां 24 फरवरी को ब्लास्ट भी किया गया था, जिससे घरों और स्कूल में दरारें आ गई। मामला कवास गांव का है। विधानसभा में बाड़मेर विधायक प्रियंका चौधरी और बायतु विधायक हरीश चौधरी ने यह मुद्दा उठाया। दरअसल, 23 फरवरी को दोपहर 12 बजे किसान हरजीराम खोथ के खेत में अचानक जमीन से क्रूड ऑयल निकलना शुरू हो गया। देखते ही देखते खेत के एक हिस्से में तेल फैल गया। सूचना पर कंपनी के इंजीनियर्स की एक टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची।

सालभर में 1.27 करोड़ का मटन सूत गए चीते

रोजाना सिर्फ खाने पर ही खर्च हो रहे 35 हजार रु.

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार के लिए कूनो जंगल में मौजूद चीतों को पालना लगभग 'सफेद हाथी पालने' के बराबर साबित हो रहा है। इन चीतों के खाने पर रोजाना 35 हजार रुपए खर्च किये जा रहे और सालभर के अंदर ही ये चीते 1 करोड़ 27 लाख रुपए का बकरी मीट खा गए। इन चीतों के लिए वैसे तो शिकार हेतु चीतल भी छोड़े जाते हैं, लेकिन चीतों को बकरी का मीट ज्यादा पसंद होता है। इस खबर का खुलासा कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब से हुआ। सरकार ने बताया कि कूनो वाइल्डलाइफ डिवीजन में अभी कुल 32 चीते हैं। सरकार ने इस दौरान यह भी बताया कि इन चीतों को कूनो जंगल से निकालकर ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, मुरैना से लेकर राजस्थान तक भेजा जा रहा। विधायक ने इस दौरान यह भी कहा था कि कूनो जंगल में चीतों को खाने को नहीं मिल रहा, जिस वजह से वे बाहर निकलकर शिकार कर रहे हैं और गांवों के लोगों की बकिरयों व जानवरों का शिकार कर रहे हालांकि सीएम ने भी इस मामले में लिखित जवाब देते हुए यह भी बताया कि उक्त नेशनल पार्क में चीतों को खाने के लिए अलग से कोई रकम नहीं दी गई थी, चीतों को हर दिन कितनी बकरियों का मीट खिलाया जाता है, इसका कोई तय मानक भी नहीं है, जरूरत के हिसाब से उन्हें मीट दिया जाता है। हां, जंगल खुला होने से कभी-कभी चीते गांव में बकरियों-जानवरों का शिकार करते हैं।

ग्रीन फील्ड रोड की बड़ी बाधा हुई दूर

कलेक्टर और एसडीएम को साफा पहनाकर खुशी-खुशी दी किसानों ने दी जमीन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सिंहस्थ की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट ग्रीन फील्ड के लिए किसानों से जमीन लेने के कलेक्टर शिवम वर्मा के भागीरथी प्रयास सफल हुए।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन पर लगातार किसानों से संवाद चल रहा था। वहीं किसानों ने प्रशासन की बात को समझते हुए आज रेजिडेंसी पर पहुंचकर कलेक्टर को खुशी-खुशी अपनी जमीन को सौंप दिया।

कलेक्टर ने सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए किसानों को

बधाई भी दी। शिवम वर्मा ने कहा कि वाकई में किसान हमेशा से शासन की योजनाओं के लिए मदद करता आया। किसान अन्न दाता तो हैं लेकिन वो दिल फरियाद भी हैं। वहीं जिस तरह से जनहित में यह कदम उठाया वह तारीफेकाबिल भी है। सांवेर एसडीएम घनश्याम धनगर कलेक्टर के निर्देशन पर लगातार किसानों को प्रेरित करते रहे। वहीं कई बार प्रशासन से भी उनका संवाद हुआ। इसी के चलते किसानों ने कलेक्टर के साथ एसडीएम को साफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

झांसी में 9वीं की छात्रा से छेड़छाड़, सुसाइड किया, अकेला पाकर घर में घुसा पड़ोसी

झांसी। झांसी में छेड़छाड़ से आहत 9वीं कक्षा की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। वह बुधवार को घर पर अकेली थी। तभी दोगुनी उम्र का पड़ोसी घर में घुस आया। कमरे की कुंडी बंद करके छात्रा से जबरदस्ती करने लगा। तभी स्कूल से छात्रा का छोटा भाई घर पहुंच गया। उसने दरवाजा खोला तो आरोपी गंदी हरकत कर रहा था और छात्रा रो रही थी। भाई को देखते ही आरोपी छत से कूदकर भाग गया।

शंकराचार्य केस में दावा

नाबालिगों से यौन शोषण की पुष्टि

मेडिकल रिपोर्ट आई, पीड़ित बटुक बोला- अविमुक्तेश्वरानंद ने शोषण किया

एजेंसी ▸▸ वाराणसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में बच्चों की मेडिकल रिपोर्ट आ गई है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि बच्चों के साथ कुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बुधवार को पीड़ित नाबालिगों का मेडिकल टेस्ट कराया था। दो डॉक्टरों के पैनल ने प्रयागराज के सरकारी अस्पताल में मेडिकल टेस्ट किया।

रिपोर्ट बंद लिफाफे में गुरुवार को जांच अधिकारी को सौंप दी गई है। इसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बटुकों से कुकर्म किसने किया? कब किया? कहां किया? ये जांच का विषय है। पूरी जांच के बाद साफ होगा कि अविमुक्तेश्वरानंद पर लगे आरोप कितने सही हैं। थाना प्रभारी झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि कोर्ट का मामला है। ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते।

इससे पहले, शंकराचार्य पर केस दर्ज कराने वाले आशुतोष महाराज ने बुधवार को कहा था कि सारे सबूत हैं। मेडिकल

में बटुकों से कुकर्म की पुष्टि हुई है। जल्द न्याय होगा। इधर, एक पीड़ित बटुक पहली बार मीडिया के सामने आया। उसने 'आज तक' को दिए इंटरव्यू में दावा किया- मैं अध्ययन के लिए गया था, तभी मेरा शोषण किया गया। हमारे साथ और भी बच्चे थे, उनका भी शोषण किया गया।

किसने शोषण किया? इस पर पीड़ित ने कहा- अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद। क्या आप माघ मेले की बात कर रहे? इस पर उसने कहा- जी, वहां पर भी मेरे साथ 16 जनवरी को शोषण किया। शंकराचार्य के शिष्य प्रकाश और अरविंद बच्चों को बाहर से लाते हैं। इसके बाद उनके साथ यौन शोषण किया जाता है।

शंकराचार्य बोले- एपस्टीन फाइल की बातें दबाई जा रहीं

इधर, अविमुक्तेश्वरानंद ने वाराणसी में मेडिकल रिपोर्ट पर कहा- आशुतोष महाराज ने रिपोर्ट की बातें बताईं। जांच टीम क्या कर रही है? क्या पुलिस ने उन्हें परमानेंट प्रवक्ता बना लिया? एक हिस्ट्रीशीटर (आशुतोष महाराज) कहानी बनाकर फैला देता है। सारे लोग उसमें दबकर हाय-दइया करने लगते हैं। हमें कोई खतरा नहीं है। अभी हमें मार दो। हम तो अपना पिंडदान कर चुके हैं। उन्होंने कहा- जनता को शंकराचार्य की कहानी देखने में लगा दिया गया है। इससे एपस्टीन फाइल से जो चीजें निकलकर आई हैं, उन्हें दबाया जा रहा। अब सवाल यह है कि कोर्ट की प्रोसीडिंग पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसके बारे में कोर्ट, शिकायतकर्ता, पुलिस और खुद पीड़ित को ही जानकारी होती है। ऐसे में चैनल को यह किसने बताया कि ये बच्चे हैं? इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका लगाने पर शंकराचार्य ने कहा- मठ को संरक्षित करने के लिए एक वर्ग होता है। उनका कहना है कि अगर जेल में जाकर आपको जहर का इंजेक्शन लगा दिया गया तो? ऐसी कई तरह की कहानियां सामने आ चुकी हैं।

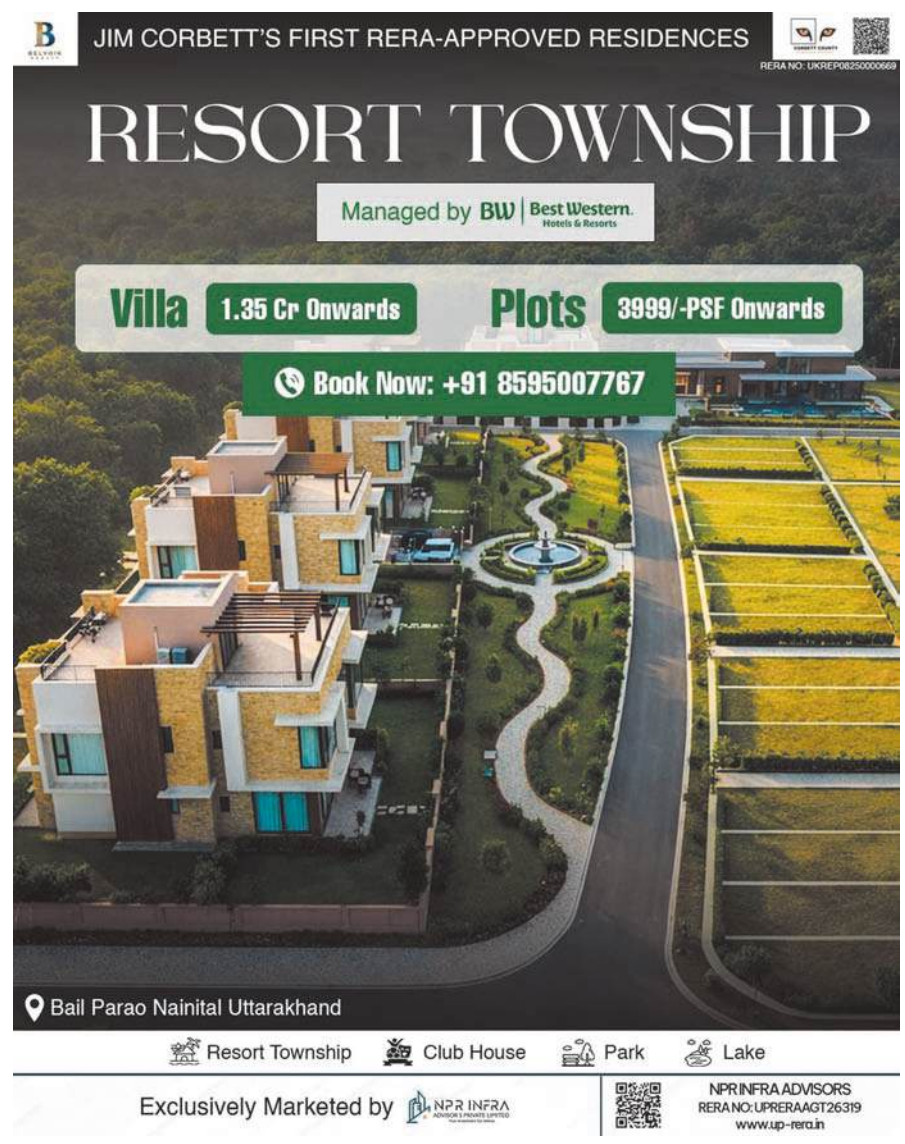

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

अब बारी-बारी से विभागों को सामने लाया जाए...

महाआयोजन की के लिए शेष बचे दिनों की अब उलटी गिनती शुरू होने को है। निर्माण कार्यों को जमकर अंजाम दिया जा रहा है। विभिन्न विभाग अपने अपने काम एवं उनके पूर्ण होने की स्थिति को लेकर कमर कसकर मैदान में डटे हुए हैं। धडाधड कामों को अंजाम देने के लिए बराबर वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण भी कर रहे हैं और समन्वय भी बना रहे हैं। हजारों करोडों के कामों को अंजाम दिया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या के मान से सभी व्यवस्थाएं जुटाई जाना है। विभागीय स्तर पर इन कामों को समय पर पूर्ण करने के लिए भी कश्मकश चल रही है। धरातल पर आकार ले रहे कामों को लेकर सीधे विभागीय स्तर पर कार्यों की जानकारी सीधे तौर पर चौथा स्तंभ को उपलब्ध करवाने की भी अब शुरूआत होना चाहिए। इसके लिए चौथास्तंभ से जुडे विभाग को जिम्मेदारी सौंपते हुए पूर्ववत तैयारियों के साथ चौथा स्तंभ के प्रतिनिधियों के समक्ष जानकारी रखी जाना चाहिए। इससे देश के साथ ही साथ विदेशों तक भी इसका प्रचार प्रसार होगा और महाआयोजन में आगंतुक विदेशी मेहमानों का भी चाव बनने लगेगा। इस बार का महाआयोजन कई मायनों में महत्वपूर्ण होने वाला है इनमें एआई भी एक मुद्दा बनेगा । चौथा स्तंभ के प्रतिनिधियों में खुसूर-फुसूर है कि निर्माण कार्यों के साथ ही विभागीय अधिकारी उसकी उपयोगिता बताएंगे और महाआयोजन में उसके उपयोग के बाद की स्थिति में शहर विकास में उसका योगदान बताएंगे और उसका प्रचार प्रसार होगा तो देश भर में इससे श्रद्धालु अवगत होंगे। इससे श्रद्धालु में व्यवस्थाओं का चाव बनेगा और बडी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होगा। जल्द ही ऐसे किसी आयोजन को लेकर चौथास्तंभ के विभाग को रूपरेखा बनाकर इसे अमल में लाना चाहिए।अन्यथा जंगल में मोर तो नाच ही रहा है।

ट्रैडिंग

"खड़गे जी, आपकी उम्र देखते हुए, आप बैठ कर भी नारे लगा सकते हैं!

ताकि आपको कष्ट ना हो!"

ज्योतिषाचार्य शर्मा ने कराया पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के परिवार में पाणि ग्रहण संस्कार

उज्जैन। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी के परिवार में पानी ग्रहण संस्कार कराते हुए पंडित ज्योतिषाचार्य ओम प्रकाश शर्मा उज्जैन के द्वारा विवाह संस्कार संपन्न कराया गया और पूर्व राष्ट्रपति जी से मिलना हुवा बाबा महाकाल की बहुत बड़ी कृपा की हमारे भारत के राष्ट्रपति जी पूरे परिवार से मिलना हुआ भगवान महाकाल से ही प्रार्थना करेंगे कि वह हमेशा स्वस्थ रहें मस्त रहें स परिवार के ऊपर महाकाल बाबा की कृपा बनी रहे हमेशा।

एक हेक्टेयर जमीन जरूरी लेकिन जिम्मेदार ध्यान देने को तैयार नहीं, ना नियम की पार्किंग न ही 18 मीटर चौडा रोड फिर भी एक दिन की वसूली लाखों की

मैरिज गार्डन बनाम अधिकारियों के प्रश्रय का धंधा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मैरिज गार्डन बनाम अधिकारियों के प्रश्रय का धंधा वर्तमान में शादी के सीजन में जमकर चल रहा है। नियम तो व्यवस्थित पार्किंग का है और 18 मीटर की रोड भी जरूरी है लेकिन ये सब कागजों में सिमट कर रह गए हैं और होटलों में मैरिज गार्डन बनाकर प्रतिदिन की लाखों रूपए की वसूली का काम जिम्मेदारों की नाक के नीचे अंजाम दिया जा रहा है। इस विकृति को दूर करने की बजाय जिम्मेदार यदा-कदा मूक दर्शक बनकर यहां के आयोजन में शरीक होना पसंद कर रहे हैं।

मैरिज गार्डन का व्यवसाय वर्तमान में भरपूर चल रहा है। प्रति सीजन शादियों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है जो अब इस स्तर तक पहुंच रहा है कि कई लोगों को मैरिज गार्डन ढूंढने पर भी किराए पर नहीं मिलता है। होटलों जिन पर भी नियम लागू होते हैं वे भी नियमों को ताक में रखकर आयोजनों को लेकर लाखों रूपए बटौर रहे हैं और इससे उत्पन्न होने वाली समस्या को आमजन सह रहा है।

नियम लागू हो तो 90 फीसदी ताले डलें

मैरिज गार्डन के नियमों पर अगर नजर मारी जाए और कागजों से बाहर निकाल कर उन्हें लागू किया जाए तो हालात यह हो जाएं की 90 फीसदी पर ताले डालने की नौबत आ जाए। नियमों को फाईलों में दबाकर बैठे जिम्मेदार इसका पूरा लाभ अर्जित कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मैरिज गार्डन पर ही ये नियम लागू होते हैं। धर्मशालाएं भी इसके दायरे में हैं। साथ ही गली-मोहल्लों और छोटी कॉलोनियों में मैरिज गार्डन और धर्मशालाएं नहीं चल सकती। मप्र भूमि विकास नियम 2012 यह नियम दिसंबर 2014 में प्रशासन के अमल में आया । इसके मापदंड के अनुसार मैरिज गार्डन के लिए न्यूनतम भूमि एक हैक्टेयर होना अनिवार्य है। मैरिज गार्डन के सामने की ओर सडक की न्यूनतम चौड़ाई 18 मीटर होना चाहिए। परिसर का न्यूनतम हिस्सा सामने की ओर 40 मीटर। मैरिज गार्डन में सबसे महत्वपूर्ण है पार्किंग व्यवस्था। नियमानुसार 35 फीसदी स्थान मैरिज गार्डन का पार्किंग के लिए छोडा जाना आवश्यक है। नियमानुसार जमीन उपलब्ध होने पर सबसे पहले उसका डायवर्सन प्रशासन के राजस्व विभाग में कराया जाता है। इसके बाद टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की मंजूरी भी जरूरी है। इसके बाद नगर निगम से फायर एंड पार्किंग की मंजूरी भी ली जाती है। मैरिज गार्डन की मंजूरी के आवेदन को नगर निगम ट्रैफिक पुलिस के पास एनओसी के लिए भेजता है और ट्रैफिक पुलिस की राय के बाद ही परमिशन आगे बढ़ती है।

ये भी है लफडा

शहर के अधिकांश मैरिज गार्डन संचालक नगर निगम में जमीन के व्यावसायिक उपयोग की दर से टैक्स जमा कराते हैं। यह खुलासा नहीं किया जाता है कि उस जमीन पर मैरिज गार्डन का संचालन हो रहा है। कुछ गार्डन ऐसे भी हैं जो यह टैक्स भी नहीं जमा कर रहे हैं।

होटलों, रेस्टोरेंट में शादी नियम विरुद्ध

इधर यह भी सामने आ रहा है कि नियमों को धता बताते हुए जिम्मेदारों की आंखों में धूल डाली जा रही है। कई होटल बनाम रेस्टारेंट पर शादी की दावत और अन्य रस्में भी निभाई जा रही हैं जिसमें 50 से लेकर 200 मेहमान सीधे तौर पर शरीक हो रहे हैं। लेकिन, 2021 में जारी हुए नियमों के अनुसार 50 लोग मौजूद होकर आयोजन करते हैं तो उसे मैरिज गार्डन माना जाएगा। मतलब रेस्टोरेंट के लाईसेंस पर मैरिज गार्डन भी शहर में चलाए जा रहे हैं। इसे लेकर भी जिम्मेदार नियमों का पालन करवाने की अपनी भूमिका निर्वहन करने में अक्षम ही दिखाई दे रहे हैं।

सीजन में एक भी प्रकरण नहीं

स्थिति यह है कि शादी के इस सीजन में न तो नियम विरूद्ध चल रहे मैरिज गार्डन और न ही होटल बनाम रेस्टोरेंट पर जिम्मेदार कार्रवाई कर सके हैं। खास तो यह है कि स्थानीय शासन को ही इसमें आय का फटका लग रहा है और वही इसे लेकर गंभीर नहीं हैं।

एण्डटीवी के 'हे भगवान- कितना बदल गया इंसान!' सीरियल की उज्जैन में हुई शूटिंग

मीडिया से रूबरू हुए कलाकार तरूण खन्ना और जयशंकर त्रिपाठी ने बताए अपने आध्यात्मिक अनुभव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हल्के-फुल्के और पारिवारिक मनोरंजन के अपने वादे को कायम रखते हुए एण्डटीवी ने अपनी आगामी डिवाइन ड्रैमेडी 'हे भगवान- कितना बदल गया इंसान की शूटिंग उज्जैन में की। एक ऐसी कहानी, जो आस्था, बदलते मानवीय मूल्यों और दैवीय हस्तक्षेप को दर्शाती है, की शुरूआत के लिए महाकाल की नगरी और पवित्र महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग के लिए प्रसिद्ध उज्जैन से बेहतर स्थान कोई और नहीं हो सकता था।

उज्जैन की पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो आम भारतीय जीवन में पौराणिक स्पर्श को सहजता से पिरोता है। जिस शहर में कहानी घटित होती है, वहीं शूटिंग करने से महेश शर्मा (जयशंकर त्रिपाठी) की ईमानदारी, विश्वास और अप्रत्याशित दैवीय मार्गदर्शन की यात्रा को वास्तविकता और भावनात्मक गहराई मिली। महादेव की भूमिका निभा रहे तरुण खन्ना उस दैवीय शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो मानवता को देखती है और उसका मार्गदर्शन करती है।

उज्जैन में शूटिंग का खास अनुभव रहा

टीम ने उज्जैन शिप्रा नदी के घाटों, मंदिरों के आसपास और शांत नदी तटों पर शूटिंग की, जहाँ की सादगी और पवित्र ऊर्जा कहानी का मूल स्वर बन गई।

अपने अनुभव साझा करते हुए महादेव का किरदार निभा रहे तरुण खन्ना ने कहा उज्जैन में शूटिंग करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। चूँकि, हमारी कहानी इसी पवित्र शहर पर आधारित है, ऐसे में यहाँ फिल्मांकन करने से वह प्रामाणिकता मिली, जो सेट पर संभव नहीं होती। यहाँ के लोगों और संस्कृति के बीच रहकर मैं कहानी से और गहराई से जुड़ पाया। उज्जैन की आध्यात्मिक ऊर्जा अत्यंत शक्तिशाली है, जिसने महादेव के किरदार से मेरा संबंध और मजबूत किया। इस शेड्यूल की खास बात यह भी रही कि मैंने अपना जन्मदिन इसी पावन नगरी में मनाया। पैक-अप के बाद मैं अक्सर मंदिरों में जाकर कुछ शांत पल बिताता था और वहाँ की शांति को महसूस करता था।

शो में ईमानदार वकील महेश शर्मा की भूमिका निभा रहे जयशंकर त्रिपाठी ने कहा, उज्जैन में शूटिंग होने से मुझे महेश के सत्य और नैतिकता जैसे मूल्यों से और गहराई से जुड़ने का मौका मिला। यहाँ की आस्था और श्रद्धा का वातावरण किरदार की यात्रा को और अधिक वास्तविक बनाता है। स्थानीय लोगों की सादगी और आत्मीयता काफी प्रेरणादायक रही। शूटिंग के दौरान मैंने स्थानीय संस्कृति को करीब से महसूस किया, चाहे घाटों पर लोगों से बातचीत करना हो या फिर पारंपरिक पोहा और जलेबी का स्वाद लेना। यह अनुभव मेरे लिए व्यक्तिगत और आत्मिक दोनों स्तर पर खास रहा।

'हे भगवान- कितना बदल गया इंसान!' का प्रीमियर जल्द ही एण्डटीवी पर होगा और इसे विशेष रूप से हिंदी जी5 पर स्ट्रीम किया जाएगा।

शयन आरती में 250 रुपये प्रति व्यक्ति शुल्क

उज्जैन। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा लगाये गये संध्या आरती एवं शयन आरती में 250 रुपये प्रति व्यक्ति शुल्क लगाकर दर्शनार्थी भक्तों के प्रति अन्याय पूर्ण निर्णय लिया है जिसको वापस लिये जाने हेतु राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट युवा संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। प्रबंध समिति के इस निर्णय से उज्जैन ही नहीं, बाहर से आने वाले भक्तों में भी रोष व्याप्त है। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मंदिर को व्यापार का केन्द्र बनाया जा रहा है। भक्तों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाकर भक्तों में भेदभाव किया जाना उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। जिसके लिए सभी भक्तगण सर्वमान्य रूप से विरोध प्रकट करते हैं। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा लिये गये मनमाने निर्णय में हस्तक्षेप कर इसे वापस लेने का निर्देश जारी करें, जिससे महाकाल के भक्तगणों को राहत मिल सकें। इसमें राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के जिला अध्यक्ष देवेंद्र प्रजापति, जिला संयोजक रवि वर्मा, अध्यक्ष मुकेश रघुवंशी, सहसंयोजक कृष्ण मालवीय, मीडिया प्रभारी जितेंद्र परमार ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री से संध्या आरती व शयन आरती का शुल्क वापस लेने की मांग

पूरे देश में एक लाख वेलनेस सेंटर खोलने की घोषणा की गई

हिंदू महासम्मेलन में महिलाओं को बांटे ओजस्विनी यंत्र

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

म.प्र. की सांस्कृतिक राजधानी उज्जैन जिले में हिंदू महासम्मेलन के समापन पर महिलाओं को छेड़छाड़ से बचाने के लिए एक ओजस्विनी यंत्र बांटे गए। पूर्व विहिप अध्यक्ष और राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के संस्थापक डॉ.प्रवीण तोगड़िया ने ओजस्विनी यंत्र के बारे में बताते हुए कहा कि इस यंत्र से महिलाएं सुरक्षित रहेगी। आपने इस दौरान पूरे देश में एक लाख वेलनेस सेंटर खोलने की भी घोषणा की है।

राष्ट्रीय हिन्दू परिषद संस्थापक डॉ.प्रवीण तोगड़िया के नेतृत्व में शुरू हुए दो दिवसीय हिंदू महासम्मेलन के समापन पर महिलाओं को ओजस्विनी यंत्र वितरित करते हुए डॉ.तोगड़िया ने बताया कि रिचार्जेबल ओजस्विनी यंत्र का बटन दबाते ही 200 लोगों को एक साथ लगने वाले बिजली के करंट जैसा झटका लगता हैं। हालांकि इससे किसी की जान नहीं जाएगी।

ओजस्विनी यंत्र वितरित किए गए

गौरतलब है क्षिप्रा नदी के निकट बड़ा उदासीन अखाड़े के शहनाई गार्डन में शुरू हुए हिंदू महासम्मेलन में महिलाओं को वितरित किए गए ओजस्विनी यंत्र एक इलेट्रानिक डिवाइस है, जिसे महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाले आरोपियों को सबक सिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह यंत्र महिलाएं अपने पर्स में आसानी से रख सकेंगी। हालांकि इसके प्रयोग से किसी की जान नहीं जाएगी, सिर्फ बिजली के करंट जैसा तगड़ा झटका लगेगा।

एक लाख महिलाओं को बांटेंगे यंत्र

डॉ.तोगड़िया ने बताया कि महिलाओं को छेड़छाड़ से बचाने के लिए तैयार किए गए ओजस्विनी नामक यंत्र उनकी मंशानुसार गुजरात के एक उद्योगपति ने बनाया गया है। यंत्र का नाम ओजस्विनी हिम्मत वायर रखा गया है, जिसकी लागत 800 रुपए है, लेकिन सम्मेलन में मात्र 600 रुपए में दिया जा रहा है, जिसे इच्छुक महिलाएं राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की ओजस्वी संगठन से प्राप्त कर सकते है।

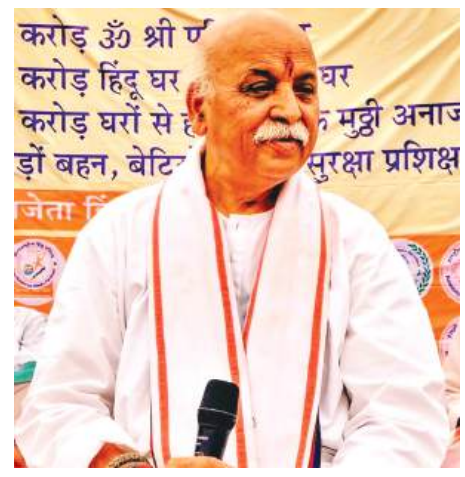

एक करोड़ हिन्दू परिवारों को जोड़ेंगे

डॉ.तोगड़िया कहा कि आज से ह्लहिंदू ही आगेह्व महासम्मेलन का शुभारंभ हुआ है, जिसमें शहर के कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने बताया कि एक लाख हनुमान चालीसा पाठ, ह्लगुरु प्रमाणह्व व ऑडियो हनुमान चालीसा के माध्यम से 1 करोड़ हिंदू परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य है। आगामी चरणों शहरों में एकत्रित सामग्री को आदिवासी क्षेत्रों में वितरित किया जाएगा।

स्वस्थ रहने के गुर सिखाए

दो दिवसीय हिंदू महासम्मेलन में देश भर से हजारों लोग शामिल हुए। डॉ तोगड़िया ने उन्हें हिंदुत्व एकता के साथ स्वस्थ रहने के गुर सिखाए। आपने वहां मौजूद लोगों को बताया कि दैनिक दिनचर्या में संतुलित आहार, भोजन में नमक की उचित मात्रा तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्वों के सेवन से आसानी से स्वस्थ रह सकते है।

होलाष्टक के कारण 8 दिन के लिए मांगलिक कार्यक्रम बंद

विवाह, यज्ञोपवित, गृह प्रवेश नहीं हो सकेंगे, 3 मार्च के बाद शुरू होंगे शुभ कार्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक का आरंभ माना जाता है अर्थात पूर्णिमा के ठीक 8 दिन पहले का अनुक्रम अष्टक की श्रेणी में आता है। इस बार होला अष्टक की शुरूआत 24 फरवरी से हो चुकी है जो 3 मार्च तक रहेगा। मान्यता है कि होलाष्टक में विवाह कार्य नहीं किए जाते हैं। इस दौरान लोक परंपरा से जुड़े फाग उत्सव की धूम रहेगी।

ज्योतिषाचार्य अमर डब्बेवाला ने बताया कि होलाष्टक से पूर्णिमा पर्यंत होलिका के 8 दिन विशेष प्रभाव के रहते हैं पौराणिक मान्यता के अनुसार यह 8 दिन संभलने वाले भी माने जाते हैं अर्थात इन आठ दिनों में तंत्र-मंत्र से जुड़े या अभिचार तंत्र से जुड़े अनुक्रम भी किए जाते हैं तो स्वयं की सुरक्षा के लिए अपने ईष्ट की आराधना इन आठ दिनों में की जा सकती है। इस 8 दिनों में विवाह, यज्ञोपवित, गृह प्रवेश जैसे कार्य नहीं हो सकेंगे।

होलाष्टक के बारे में प्रांत और क्षेत्रीय आधार पर अलग-अलग प्रकार की परंपराएं लागू है। जिसमें ऋतु चक्र का परिवर्तन और मानसिकता में अलग-अलग प्रकार की वैचारिकता का आवागमन होता है क्योंकि यह बसंत से संबंधित और पतझड़ से संबंधित रितु काल का संधि काल भी बताया जाता है। होलाष्टक का समापन 3 मार्च को चंद्र ग्रहण की पूर्णता के साथ समाप्त होगा 4 मार्च से पुनः अलग-अलग प्रकार से मांगलिक कार्य की शुरूआत की जा सकेगी।

होलाष्टक से लेकर पूर्णिमा तक यह व्रत रहेंगे

- 27 फरवरी आमलकी एकादशी एवं सर्वार्थ सिद्धि योग
- 28 फरवरी को बुध अस्त होंगे पश्चिम दिशा में
- 1 मार्च को प्रदोष व्रत और रवि पुष्य
- 2 मार्च को होलिका का पूजन प्रदोष काल में
- 3 मार्च को धुलेंडी पर्व और चंद्र ग्रहण इसी के साथ होलाष्टक समाप्त

होली की सुन्दरता मे निखार लाए प्राकृतिक गुलाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

(राहुल शुक्ल)

रंगो का त्योहार होली आपसी प्रेम व सद्भाव का पावन संदेश देता है पर इसकी सुन्दरता समाहित है सुरक्षा व सावधानी में। हमे कोशिश करना चाहिए कि होली के रंगों से किसी अपने की त्वचा खराब न हो,सिरदर्द ,एलर्जी या अन्य शारीरिक पीडा न हो। सावधानी के साथ होली खेलने से इस त्योहार का रंग व मिठास गहरी होती है। प्रयास करें कि हर्बल गुलाल से सूखी होली खेली जाए ।बाजार मे अरारोट वाली हर्बल गुलाल उपलब्ध है किन्तु इसकी शुद्धता को लेकर संशय बना रहता है। शुद्ध हर्बल गुलाल तो घर पर ही तैयार की जा सकती है।

रंगों के हिसाब से सामग्री

सबसे पहले निश्चित करना होता है कि आप किस रंग की गुलाल बनाना चाह रहे हैं। नीचे कुछ प्राकृतिक सामग्री रंग के अनुसार बताई गई है :

- पीला रंग -- हल्दी
- हरा रंग --- मेंहदी
- गुलाबो रंग -- चुकंदर
- लाल रंग --- लाल चंदन , गुडहल
- नारंगी रंग ---गेंदा या टेसू के फूल

बेस या आधार --- सभी रंग की गुलाल बनाने के लिए बेस अरारोट या बेसन या महीन पिसा हुआ आटा रहेगा।

कैसे तैयार करें हर्बल गुलाल

यदि पीली गुलाल बनाना है तो एक कप बारीक पिसी हुई हल्दी लेकर दो कप अरारोट या मैदा मे अच्छे मिला लीजिए। चटक रंग के लिए हल्दी पाउडर की मात्रा थोडी ज्यादा भी की जा सकती है। इस मिश्रण को बारीक छन्नी से छान लें और पीली गुलाल तैयार।

यदि हरी गुलाल बनाना हो तो एक कप मेंहदी पाउडर और एक कप बेसन या कार्न फ्लोर लें और इसे मिक्सी मे अच्छे से पीस लें फिर छानकर रख लें , हरे रंग की गुलेल तैयार है।

यदि लाल गुलाल तैयार करना है तो थोडी मेहनत करना होगी। चुकंदर को कद्दुकस या किसनी से पहले छोटे टुकडे करें फिर पानी मे उबाल लें। इसे सुखा लें फिर मिक्सी मे बारीक पीस लें। इस पाउडर मे थोडा सा लाल चंदन का पाउडर मिला लें और अब इस रंगीन पाउडर को दो कप बेसन या अरारोट मे मिला लीजिए, लाल हर्बल गुलाल तैयार। इसी तरह नारंगी गुलाल बनाने हेतु गेंदा के फूलों की पंखुड़ियों को धूप मे सूखाकर महीन पीस लें और फिर इसे बेसन मे मिला लें, छन्नी से छानकर इसे तैयार रखें अपने प्रियजन के गाल पर लगाने के लिए।

थोडे से प्रयास हमारे और होली सुरक्षित

होली ,प्रेम व सौहार्द का पारंपरिक त्योहार है। सुरक्षित ढंग से होली खेलना हमारा नैतिक दायित्व है। इसकी सुन्दरता और बढ जाती है जब हम इसे सावधानी के साथ हर्बल गुलाल से खेलें। अपनो की सुरक्षा और होली दोनो ही संभव है जब हम घर मे हर्बल गुलाल बनाकर अपने प्रियजनों के चेहरे को रंगीन गुलाल से सजा दें।रासायनिक रंग त्वचा व आंख के लिए बहुत ही खतरनाक होते हैं।

अंकिता चौहान, मक्सीरोड।

सूखी होली सर्वश्रेष्ठ

होली पर्व की परंपरा रही है कि इस दिन सूखे गुलाल से रंग खेला जाता है । यदि हर्बल गुलाल से इस त्योहार को मनाया जाए तो पर्व की खूबसूरती मे चार चांद लग जाते हैं।भगवान कृष्ण ने फूलों से होली खेली ऐसे आख्यान धर्मग्रन्थों मे हैं।

कृष्णा देवी, विद्यानगर।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

नं.1 क्षेत्रीय अख़बार

सिंहस्थ क्षेत्र में आश्रम की आड़ में कर दिया था लग्जरी होटल निर्माण, निगम ने चलाया बुलडोजर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ की आरक्षित भूमि पर आस्था की आड़ लेकर किए जा रहे व्यावसायिक अतिक्रमण के विरुद्ध बुधवार को नगर निगम और जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सुबह भारी पुलिस बल के साथ नगर निगम की रिमूवल गैंग लालपुर और नरसिंह घाट क्षेत्र पहुंची, जहां 'आश्रम' निर्माण के नाम पर बनाए जा रहे आलीशान और होटलनुमा अवैध ढांचों को जमींदोज कर दिया गया।

प्रशासन को सूचना मिली थी कि श्री स्वामी पुण्यानंद आश्रम शंकराचार्य मठ, क्षत्रिय कलोता समाज पारमार्थिक न्यास और अखिल भारतीय चंद्रवंशी बागरी समाज जैसे प्रमुख स्थानों पर आश्रम की आड़ मे लग्जरी होटल जैसी भव्य इमारतें खड़ी की जा रही हैं। इसी क्रम में शंकराचार्य मठ, माधवानंद आश्रम और इंद्रदेव गुरु के अवैध शेड परिसर में बने अवैध पक्के निर्माण पाए गए। अपर आयुक्त संतोष टैगोर और एसडीएम के नेतृत्व में चली इस मुहिम में जेसीबी और पोकलेन के माध्यम से लगभग एक लाख स्केयर फिर क्षेत्र से अवैध निमार्णों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि सिंहस्थ क्षेत्र की मयार्दा और मास्टर प्लान का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आश्रम के नाम पर बना ली थी लग्जरी होटल- कार्रवाई के दौरान यह बात देखने को मिली कि आश्रम के नाम पर लग्जरी होटल का निर्माण कई स्थान पर कर लिया गया था। सुबह नगर निगम की टीम पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कुछ विरोध देखा गया, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी के कारण यह कार्रवाई जारी रही और अतिक्रमण हटा दिया गया।

निगमायुक्त ने जर्जर मकानों का चिन्हांकन और बिजली के तारों को व्यवस्थित करने को कहा

होली-रंगपंचमी के पहले नगर निगम की तैयारी

जर्जर बिल्डिंगों की पहचान कर तैयार करें लिस्ट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

होली और रंगपंचमी के त्योहार को देखते हुए जर्जर मकानों का चिन्हांकन और बिजली के तारों को व्यवस्थित किया जाएगा। इसे लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए हैं। ऐसा रंगपंचमी पर निकलने वाली गेर को लेकर किया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि गेर देखने के लिए कोई जर्जर मकान में न जाए। इसलिए उसे पहले से चिन्हित कर बोर्ड लगा दिया जाए।

निगमायुक्त ने निर्देशित किया है कि सभी जोन के बिल्डिंग अधिकारी, जोनल अधिकारी और भवन निरीक्षक अपने-अपने इलाकों में सर्वे कर यह सुनिश्चित करें कि कहीं कोई जर्जर बिल्डिंग तो नहीं है, यदि ऐसी बिल्डिंग चिन्हित होती है तो उनकी लिस्ट तैयार करें, बिल्डिंगों का स्पष्ट रूप से चिन्हांकन करें, संबंधित स्थानों पर चेतावनी स्वरूप फ्लेक्स लगाए जाएं। साथ ही आवश्यकता अनुसार बैरिकेडिंग कर लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। त्योहारों के दौरान विशेष रूप से उन रास्तों पर ध्यान देने के लिए कहा है जहां होली व रंगपंचमी के अवसर पर जुलूस, गेर और अन्य पारंपरिक आयोजन होते हैं।

विद्युत व्यवस्थाओं का निरीक्षण एवं समन्वय

निगमायुक्त ने विद्युत विभाग से कहा कि वे अपने-अपने जोन इलाकों में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के साथ समन्वय बनाकर अव्यवस्थित केबल वायर, तारों के गुच्छे या नीचे लटके बिजली के तारों का चिन्हांकन करें। ऐसी जगह जहां तारों के कारण मार्ग में बाधा उत्पन्न हो रही है या एक्सीडेंट की आशंका हो, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करते हुए तारों को व्यवस्थित किया जाए। आवश्यकतानुसार ऊंचाई और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। आम जनता के आवागमन में किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

विद्युत व्यवस्थाओं का निरीक्षण एवं समन्वय

इसी क्रम में जनकार्य (वर्कशॉप), जल प्रदाय, रिमूवल शाखा सहित नगर निगम के सभी जोन को अपने-अपने इलाकों से संबंधित व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। सड़कों की मरम्मत, गड्ढों का समतलीकरण, जल आपूर्ति व्यवस्था की सुचारुता, कचरा कलेक्शन और तुरंत निराकरण, आवश्यक मशीनरी और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। संबंधित अधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

जर्जर मकान पर रिमूवल की कार्रवाई

इधर, निगमायुक्त के निर्देश पर जर्जर और खतरनाक बिल्डिंगों पर रिमूवल की कार्रवाई भी की जा रही है। इसी कड़ी में जोन क्रमांक 2 के वार्ड 69 में एक जर्जर मकान के रिमूवल की कार्रवाई की गई। यहां पर ओल्ड राजमोहल्ला में 800 स्क्वेयर फीट के गोपाल मिश्रा के जर्जर मकान पर नगर निगम ने रिमूवल की कार्रवाई की। इस दौरान निगम के अधिकारी व अमला मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया स्पेशल होली हैम्पर लाँच

दीदियों ने किया 1 वर्ष में 310 करोड़ रूपए का व्यापार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियाँ एकता की शक्ति का सजीव उदाहरण है। बहनों द्वारा एकजुटता से किए जा रहे प्रयास 'बंद मुट्ठी लाख की' के भाव को चरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

बहनें आज ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चलाने के साथ गैस और पेट्रोल रिफिलिंग जैसे कार्य भी कर रही हैं। कैफे संचालन से लेकर मार्केट का टारगेट पूरा करने में अव्वल बहनें अचार, पापड़ निर्माण सहित कई छोटे उद्योगों से बेहतर कमाई कर रही हैं। भारतीय संस्कृति में मातृ सत्ता का विशेष महत्व है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। प्रदेश के 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। राज्य सरकार प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने एक वर्ष में विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है।

मध्यप्रदेश, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। साथ ही बजट का कुल 34 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण विकास पर खर्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री भोपाल में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का शुभारंभ कर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

विक्रम नाट्य समारोह : स्वर लहरियों के साथ सौगंधिकाहरण का मंचन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ डॉ. जफर महमूद

उज्जैन। विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत दस दिवसीय राष्ट्रीय विक्रम नाट्य समारोह का समाहार हुआ। समापन संध्या कर्नाटक संगीतज्ञ मनोहर के निर्देशन में अभंग नाद की प्रस्तुति हुई। इस प्रस्तुति में तबला, मृदंगम, घटम, काजोन, ढोलक, वायलिन और बांसुरी जैसे विविध वाद्यों का समन्वित प्रयोग और संयोजनने महाराष्ट्र की समृद्ध अभंग परंपरा को मंच पर सजीव किया । भगवान विठ्ठल की स्तुति में रचित अभंगों को शास्त्रीय लय, प्रयोग धर्मी संयोजन और सजीव ताल-संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। पारंपरिक भक्ति-भाव और समकालीन ध्वनियों के इस प्रभावी संगम ने श्रोताओं को भक्ति और लय के अद्वितीय अनुभव से जोड़ते हुए पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कलाकारों की सुमधुर स्वर लहरियों ने श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर एक दिव्य वातावरण का सृजन किया। दूसरी प्रस्तुति में प्रख्यात नाट्य निर्देशक पियाल भट्टाचार्य के निर्देशन में नाटक सौगंधिकाहरण के प्रभावी मंचन हुआ। सौगन्धिकाहरण संस्कृत साहित्य का प्रसिद्ध एकांकी नाटक है।जिसे विश्वनाथ ने अपने साहित्य दर्पण में उद्धृत किया है। यह नाटक महाभारत के वन पर्व में वर्णित भीम द्वारा द्रौपदी के लिए सुगंधित नीलकमल लाने की कथा पर आधारित है। वनवास के दौरान द्रौपदी द्वारा सौगन्धिक फूल की इच्छा करने पर

भीम का उसे खोजने निकलना और गंधमादन पर्वत पर हनुमान से मिलना बताया गया है। नाटक व्यायोग शैली में निबद्ध है,जो संस्कृत नाट्यशास्त्र के दस रूपों में से एक है ।इसमें वीरता या संघर्ष का चित्रण है।यह नाटक काव्यात्मक और नाटकीय तत्वों के संयोजन के लिए जाना जाता है, जिसमें भीम और हनुमान के बीच का संवाद विशेष उल्लेखनीय है। प्रस्तुति में भीम और हनुमान के प्रसंग के माध्यम से आत्मसंयम, विनय और धर्म का प्रभावी संदेश दिया गया। पौराणिक कथा पर आधारित नाटक ने दर्शकों को संदेश दिया कि सच्चा पराक्रम केवल शक्ति में नहीं, बल्कि संयमित और विवेकपूर्ण आचरण में निहित है। कथा के अनुसार वनवास के दौरान पाण्डवों के आश्रम में वायु द्वारा लाया गया दिव्य सौगन्धिक पुष्प द्रौपदी को प्राप्त होता है। पुष्प की अलौकिक सुगंध से प्रभावित होकर द्रौपदी ऐसे और पुष्पों की इच्छा प्रकट करती हैं, जिसे पूर्ण करने हेतु भीम गन्धमादन वन की ओर प्रस्थान करते हैं।

मालवा निमाड़ का 87वां ग्रिड बुरहानपुर शहर में ऊर्जीकृत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) मालवा निमाड़ निमाड़ में नए 33/11 केवी ग्रिड श्रृंखलाबद्ध रूप से बनाए जा रहे हैं। आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ का 87वां सब स्टेशन बुरहानपुर शहर के मंडी क्षेत्र में ऊजीर्कृत किया गया। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस नए ग्रिड से बुरहानपुर मध्य शहर के हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ का 26वां और पश्चिम क्षेत्र कंपनी का यह 87वां ग्रिड बुरहानपुर के मध्य शहरी क्षेत्र में 2.18 करोड़ रूपए से निर्मित हुआ है। इसकी क्षमता 5 एमवीए हैं। इससे मध्य शहरी क्षेत्र को ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ में सबसे ज्यादा ग्रिड बुरहानपुर, खंडवा में 8, 8, खरगोन में 6, बड़वानी में 4 तैयार किए गए है। वहीं इंदौर शहर व ग्रामीण वृत्त में कुल 13, उज्जैन जिले में 12 ग्रिड तैयार किए गए हैं।

बाबा के दर्शन करने पहुंचे तमिल फिल्म अभिनेता विक्रम प्रभु

बोले- महाकाल बाबा से ऊर्जा मिलती है

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

तमिल फिल्म अभिनेता और निमार्ता विक्रम प्रभु ने 25 फरवरी को शादी की सालगिरह पर ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन का लाभ लिया। इस दौरान उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया और उसके बाद उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर बाबा महाकाल की आरती का भी लाभ अर्जित किया।

महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि विक्रम प्रभु तमिल भाषा की फिल्मों में काम करने वाले एक भारतीय अभिनेता हैं, जिन्होंने फिल्म कुमकी से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की। वे अभिनेता प्रभु के पुत्र और दिग्गज अभिनेता शिवाजी गणेशन के पोते हैं। बुधवार सुबह वह अपनी पत्नी के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करना आए थे जहां बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद उन्होंने अपने मस्तक पर जय श्री महाकाल का तिलक लगाया और फिर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेकर यहां से रवाना हो गए।

जानिए कौन है विक्रम प्रभु

विक्रम प्रभु तमिल भाषा की फिल्मों में काम करने वाले एक भारतीय अभिनेता हैं, जिन्होंने प्रभु सोलोमन की फिल्म कुमकी से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की। उन्होंने इवान वेरामथिरी और वेल्लैकारा दुरई में भी मुख्य भूमिका निभाई। वे अभिनेता प्रभु के पुत्र और दिग्गज अभिनेता शिवाजी गणेशन के पोते हैं। विक्रम प्रभु ने प्रभु सोलोमन की फिल्म 'कुमकी' (2012) से अभिनय की शुरूआत की, जिसमें उन्होंने हाथियों के साथ काम करने के लिए प्रशिक्षित एक किरदार निभाया। यह फिल्म दिसंबर 2012 में रिलीज हुई और समीक्षकों द्वारा सराही गई तथा व्यावसायिक रूप से सफल रही। विक्रम प्रभु ने तमिल सिनेमा में कई उल्लेखनीय फिल्मों के साथ अपनी पहचान बनाई, जिसकी शुरूआत उन्होंने मुख्य भूमिका में इवान वेरामथिरी (2013) से की।

इसके बाद उन्होंने आनंद शंकर द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर अरिमा नम्बी (2014) और पारिवारिक एक्शन एंटरटेनर सिगरम थोडु (2014) में काम किया, जिसमें वे सत्यराज और मोनाल गज्जर के साथ दोहरी भूमिकाओं में नजर आए।

बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद विक्रम प्रभु ने मंदिर की व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए कहा कि यहां की सफाई के साथ ही दर्शन व्यवस्था इतनी अच्छी है कि इसके बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी पत्नी के साथ शादी की सालगिरह पर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने आया था। पहले भी मैं मंदिर में आ चुका हूं। मंदिर में मुझे पॉजिटिव एनर्जी मिलती है और बाबा महाकाल का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

2 मार्च को होलिका दहन, चंद्रग्रहण से बन रही असमंजस की स्थिति साफ

उज्जैन में 3 मार्च को मनाई जाएगी होली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

होलिका दहन और होली की तारीख को लेकर इस साल लोगों में असमंजस बना हुआ है। इस साल यह असमंजस है कि होलिका दहन 2 मार्च को होगा या 3 मार्च को और रंगों वाली होली आखिर किस दिन मनाई जाएगी। बाबा गुमानदेव पीठ के ज्योतिषाचार्य पंडित चंदन श्याम नारायण व्यास के अनुसार इस साल होलिका पूजन और दहन फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 2 मार्च 2026, सोमवार की शाम को किया जाएगा।

पंचांग के अनुसार 2 मार्च को शाम 6:27 बजे तक होलिका दहन का मुहूर्त है। उन्होंने बताया कि शास्त्र के अनुसार धुलेंडी पर्व 3 मार्च को है, लेकिन इस दिन चंद्रग्रहण होने से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चंद्रग्रहण का सूतक 3 मार्च मंगलवार सुबह 6:30 बजे से शुरू होगा, जिसके बाद शाम 6:47 तक चन्द्र ग्रहण का मोक्ष रहेगा। इस चंद्रग्रहण के दौरान कुल 17 मिनट तक यह उज्जैन में भी दिखाई देगा। 3 मार्च को चंद्रग्रहण का सूतक होने से यह स्थिति साफ है कि या तो होली का त्यौहार चंद्रग्रहण का सूतक लगने के पहले यानी कि सुबह 6:30 के पहले मनाया जाए या शाम को 6:47 के बाद मनाया जाए। उन्होंने कहा कि शास्त्रोक्त अनुसार होली का उत्सव 3 मार्च 2026 मंगलवार को ही मनाया जाएगा।

होलिका दहन शाम को होगा

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन हमेशा रात में और पूर्णिमा तिथि में ही किया जाता है। दिन में होलिका जलाने की परंपरा नहीं है। यही वजह है कि होलिका दहन के लिए रात का समय ही शुभ माना गया है। इस बार पूर्णिमा तिथि 2 मार्च की शाम से शुरू हो रही है, इसलिए होलिका दहन भी 2 मार्च की शाम को ही होगा।

क्यों बन रही असमंजस की स्थिति

तिथि और वार के बदलने की वजह से हर साल होली की तारीख को लेकर भ्रम रहता है। कुछ लोग सिर्फ कैलेंडर देखकर तारीख मान लेते हैं, जबकि त्योहार तिथि के हिसाब से मनाए जाते हैं। इस बार पूर्णिमा तिथि पर चंद्र ग्रहण लग रहा है, जिस वजह से ऐसी स्थिति बनी हुई है। पंचांग के अनुसार शास्त्रीय नियमों को देखें तो होलिका दहन 2 मार्च की शाम को ही होगा और रंगों वाली होली 3 मार्च को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य पं. चंदन श्याम नारायण व्यास ने बताया कि होलिका दहन से पहले होलिका की पूजा करें। पूजा में नारियल, गुड़, गेहूं की बालियां और गुलाल चढ़ाया जाता है। होलिका के चारों ओर परिक्रमा करके मन में बुरी आदतों को छोड़ने का संकल्प लें।

परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा ऑफलाइन पद्धति से राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 का आयोजन आगामी 1 मार्च को किया जाएगा। उक्त परीक्षा के लिए इंदौर के शासकीय और अशासकीय स्कूलों व कॉलेजों को केन्द्र बनाया गया है। शहर में आयोजित इस परीक्षा में कुल 38 हजार 144 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। यह परीक्षा दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 परीक्षा के सम्पूर्ण संचालन हेतु संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े को परीक्षा समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आज संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देश पर संभागायुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त राजस्व एवं प्रभारी परीक्षा अधिकारी सपना एम. लोवंशी ने बैठक में बताया कि सेट के प्रश्नपत्र में बहुवैकल्पिक प्रश्न होंगे।

होली पर्व के मद्देनजर खाद्य प्रतिष्ठानों में सघन जांच जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुख्यमंत्री द्वारा होली पर्व के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की सघन जांच कर मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। उक्त निदेर्शों के अनुक्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में होली पर्व को देखते हुए जिले में विशेष सघन जांच अभियान निरंतर संचालित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिक से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के अधिकाधिक नमूने लिए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कलेक्टर के निदेर्शों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में प्रभावी कार्रवाई की गई है। इसी क्रम में 25 फरवरी 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दलों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान नंदलालपुरा स्थित शिवशक्ति दूध दही भंडार का निरीक्षण किया गया, जहां श्री नीलेश राठौर प्रतिष्ठान का संचालन करते हुए पाए गए। मौके पर दूध, दही, पनीर एवं लस्सी का निर्माण एवं विक्रय किया जाना पाया गया। साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक रही। यहां से दूध एवं दही के कुल 02 नमूने जांच हेतु लिए गए।

जवाहर मार्ग, नंदलालपुरा सब्जी मंडी स्थित जैन नमकीन भंडार का निरीक्षण किया गया, जहां श्री अभय जैन संचालन करते हुए पाए गए। प्रतिष्ठान पर विभिन्न प्रकार के नमकीन का निर्माण एवं संग्रहण पाया गया। साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। यहां से लौंग सेव का 01 नमूना लिया गया। सपना स्वीट्स, इमली बाजार से मिठाई के 02 नमूने लिए गए। अजय स्वीट्स, सादर बाजार से दूध कतली एवं मिल्क केक के कुल 02 नमूने लिए गए।

देवदूत और चौथा आदमी

एक देवदूत मनुष्यों और उनके जगत को देखने एक बार धरती पर आया। धरती के सौंदर्य ने उसे अभिभूत कर दिया : सूर्य की रोशनी में चमकते पर्वत शिखर, गहरे हरे जंगल, सनसनाती हवाएं, बहती नदियां, इंद्रधनुषी घाटियां, मिट्टी की सोंधी सुगंध, पशु, भयावह व सौम्य- सब ओर सौंदर्य बिखरा हुआ था। जब उसने मनुष्य को देखा, तो वह विस्मित रह गया, क्योंकि वह मानव-हृदय का संगीत और मानव-प्राणों का गीत सुन पा रहा था। वह मानवीय रहस्य के प्रेम में पड़ गया। पृथ्वी के अनुभव ने देवदूत को इतना आह्लादित कर दिया था कि लौटने से पहले वह कुछ मनुष्यों की मदद करना चाहता था। उसने अपनी नजर दौड़ाई और देखा कि चार लोग एक साथ चले आ रहे हैं। वह उनके पास गया और बोला, मैं तुम सबको एक-एक वरदान देने आया हूं। संयोग से वे चारों आध्यात्मिक अभ्यर्थी थे। पहला खोजी बोला, मैं सत्य की खोज में अथक परिश्रम करता रहा हूं- संघर्ष, संघर्ष और संघर्ष। मुझे आध्यात्मिक शांति दे दें, संतुष्टि दे दें। देवदूत बोला, लेकिन संघर्ष तो जीवन के आनंदों में से एक है। खोजी बोला, मुझे शांति चाहिए। देवदूत ने उसे गाय बना दिया, जो निपट एकांत में घास चर रही थी और संतुष्ट थी।

देवदूत दूसरे खोजी की ओर उन्मुख हुआ। वह बोला, परमात्मा शुद्ध है, पर मैं नहीं हूं। कृपया मुझे वासनाओं, भावनाओं, इच्छाओं की अशुद्धियों से मुक्त कर दें। देवदूत ने पूछा, लेकिन क्या ये ही जीवन के उत्स नहीं हैं? दूसरे खोजी ने कहा, मुझे जीवन नहीं, शुद्धता चाहिए। उसने अपनी आंखें बंद कर लीं और अपने रूपांतरण की प्रतीक्षा करने लगा। कुछ ही क्षणों में वह गायब हो गया और उसकी शक्ल की संगमरमर की एक मूर्ति सुदूर मंदिर में प्रकट हो गई।

तीसरा खोजी बोला, मुझे परिपूर्ण बना दो। उससे कम कुछ भी नहीं चलेगा। वह ओझल हो गया, पर कहीं प्रकट नहीं हुआ, क्योंकि इस पृथ्वी पर न तो कुछ परिपूर्ण है और न हो सकता है। देवदूत चौथे की ओर मुड़ा और पूछा, तुम्हारी कामना? वह मुस्कराता हुआ बोला, मेरी कोई कामना नहीं है। देवदूत ने फिर पूछा, कोई भी कामना नहीं? चौथा खोजी बोला, एक जीवंत मनुष्य होने के अतिरिक्त मेरी कोई कामना नहीं। देवदूत उल्लास में डूब गया। उसने आकांक्षा से भरकर उस धन्य व्यक्ति को देखा और उसे प्रेम भरे आलिंगन में ले लिया। वह चौथा व्यक्ति अपने रास्ते चला गया। जीवन के गीत गाता हुआ, आह्लाद से भरकर नाचता हुआ।

तुम पृथ्वी पर एक पुरुष हो, स्त्री हो, परमात्मा के इस उपहार में हर्षित हो जाओ। गहन अहोभाव से गीत गाओ, उस नृत्य को बाहर लाओ, जो तुम्हारे भीतर अभिव्यक्त होने की प्रतीक्षा कर रहा है। सृजनात्मक बन खिल उठो!

सम्पादकीय

केरल अब केरलम

अपने देश के एक राज्य केरल का नाम अब केरलम हो जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट के इस फैसले के बाद नामकरण की औपचारिकताएं पूरी करने की दिशा में तेजी आ गई है। केरल विधानसभा से प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद केंद्र सरकार केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को संसद में पेश करने के लिए राष्ट्रपति की सिफारिश मांगेगी, ताकि नाम विधिवत केरलम किया जा सके। वैसे, मलयाली साहित्य और संस्कृति में केरलम शब्द पहले से ही उपयोग में है। फिर भी यह आधिकारिक रूप से केरल नाम से जाना जाता है। केरली और केरलाइट जैसे शब्द प्रचलित हैं, पर अब केरलम शब्द भी कुछ नए विशेषण लिए सामने आएगा। आश्चर्य नहीं, राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने इस निर्णय का स्वागत किया है। साल 2023 और 2024 में केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में केरल का नाम बदलकर केरलम करने के लिए प्रस्ताव पेश किए थे। लंबे समय से जारी एक मांग पूरी हुई है, तो जाहिर है, केरलम प्रेमियों में खुशी की लहर है।

हालांकि, इसके पीछे की राजनीति भी चर्चा में है। क्या केरल में विधानसभा चुनाव को देखते हुए नाम बदला गया है? क्या इस नाम से कोई राजनीतिक लाभ किसी पार्टी को होगा? वैसे, चुनावी लाभ अपनी जगह है, लेकिन इतिहास में केवल यही लिखा जाएगा कि साल 2026 में भारत के एक सुंदर तटीय राज्य का नाम केरलम रखा गया था। राज्य का नाम बदलने की घटना विरल ही है। दक्षिण भारत की बात करें, तो साल 2006 में केंद्रशासित राज्य पांडिचेरी का नाम पुडुचेरी रखा गया था और उसके पहले 1973 में राज्य मैसूर का नाम कर्नाटक रखा गया था। बीच में उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड और उड़ीसा का नाम ओडिशा किया गया था। आमतौर पर राज्यों का नाम बदलने की मांग शायद ही होती है और अभी के दौर में केवल पश्चिम बंगाल ही ऐसा राज्य है, जहां से नाम बदलने की मांग हो रही है। साल 2018 में पश्चिम बंगाल की सरकार ने नाम बदलकर बंगाल रखने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। यह प्रस्ताव भी विचारणीय है, क्योंकि बंगाल के आगे पश्चिम लिखने का कोई औचित्य नहीं है। देर-सबेर यह परिवर्तन होना ही है। बहरहाल, इस पर पश्चिम बंगाल में राजनीति शुरू हो गई है। ध्यान रहे, वहां भी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। वैसे, हर सरकार के समय यथासंभव नाम परिवर्तन हुए हैं। यह राजनीति नहीं, जरूरत है। लोगों की मांग पर ही मद्रास को चेन्नई, बंगलौर को बेंगलुरु, बॉम्बे को मुंबई, कलकत्ता को कोलकाता, गुड़गांव को गुरुग्राम किया गया।

लोक संस्कृति के दर्शन

भगोरिया को राष्ट्रीय पर्व में मनाए जाने का स्वागत करें

संजय वर्मा
दैनिक अवन्तिका

भगोरिया को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाए जाने का सरकार ने निर्णय लिया है ।जो कि पर्व के हित मे प्रशंसनीय पहल है ।आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में भगोरिया पर्व,मनाया जाता हैगाँवों मे बरसों से साप्ताहिक हाट लगते हैं और दूर दराज से हमारे आदिवासी भाई -बहन खरीदारी करने आते हैंहोली के पहले लगने वाला साप्ताहिक हाट भगोरिया हाट होता है जिसे स्थानीय भाषा में भोंगरिया कहा जाता है ,भगोरिया हाट से पहले लगने वाला हाट त्योहारिया हाट और भगोरिया हाट के बाद लगने वाला हाट उजाड़िया हाट कहलाता हैधार जिले की ही बात करें तो मार्च से लगने वाले भगोरिया में लगभग 59 हाट लगते है ।प्रमुख भगोरिया हेतु जिस दिन जिस गांव में भगोरिया हाट हो उस दिन का स्थानीय अवकाश भी घोषित हो तो पर्व मनाने एवं पर्व देखने हेतु लोक संस्कृति के दर्शन के साथ नृत्य,गीत,संगीत को समझ के साथ पर्व का आनन्द अन्य लोगों एवं जो शासकीय कर्मचारी है विशेषकर उन्हें स्थानीय अवकाश घोषित होने पर भगोरिया पर्व देखने में शामिल होने का पर्व लाभ मिल सकें ।भगोरिया पर्व :लोक गीत,संगीत,नृत्य और प्रकृति सौंदर्य में आदिवासी नारी की भूमिका सर्वश्रेष्ठ रहती है ।कई जिलों में जैसे झाबुआ में भगोरिया पर्व लेकर प्रशासन द्वारा विशेष तैयारी की जा रही जो कि प्रंशसनीय है। पर्यटकों के लिए सभी सामग्री एक स्थान पर मिलना,सेल्फी पॉइंट बनाना,विधुत व्यवस्था झूला व्यवस्था नाश्ते के लिए स्टॉल ,भोजन के लिए कक्ष , बड़े धार्मिक स्थलों पर जैसे उज्जैन ,नासिक आदि पर भगोरिए के प्रचार प्रसार के लिए कटआउट लगाए जाएसाथ ही प्रदेश के महाविधालय के विधार्थियों को भगोरिए मेले में बुलाकर आदिवासी संस्कृति से रूबरू करने जैसे सुझाव भी दिए जाऐ भगोरिया पर्व मध्यप्रदेश के धार,झाबुआ ,आलीराजपुर ,खरगोन आदि के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में नृत्य ,संगीत ,लोक गायन ,एक जैसे ड्रेस कोड वाले सुन्दर परिधान,चांदी के सुन्दर पहनावे के साथ धूमधाम से मनाया जाता है` भगोरिया पर लगने वाले हाट -बाजार मेले का रूप ले लेते है`मेले में अपनी जरुरत की वस्तुएं खरीदते है`भगोरिया प्रारम्भ समीप शिव मंदिर से किया जाता हैजिलों में भगोरिया की तारीख पहले तय की जाती है` होली जलने के लगभग एक सप्ताह पूर्व से मनाया जाता है` भगोरिया के पश्चात पड़ने वाले हाट -बाजार को उजाड़िया बाजार भी कहा जाता है`बांसुरी ,घुंघरू ,मांदल ,बहुत बड़े आकर का ढोल ,थाली ,छतरी ,रुमाल आदि को लेकर नृत्यकिया जाता है` फागुन मौसम छटा बिखेरकर पर्व को दर्शनीय बनाता है`भगोरिया पर्व नजदीक आने को है` भगोरिया पर्व आते ही वासन्तिक छटा मन को मोह लेती है वही इस पर्व की पूर्व तैयारी करने से ढोल ,बांसुरी की धुनों की मिठास पूर्व से ही कानों मे मिश्री घोल देती है व उमंगो में एक नई ऊर्जा भरती है दूरस्थ गाँव के रहने वाले समीप भरे जाने वाले हाट (विशेष कर पूर्व से निर्धारित लगने वाले भगोरिया) मे सज-धज के जाते है`युवक-युवतिया झुंड बनाकर पैदल भी जाते है`ताड़ी के पेड़ पर लटकी मटकिया जिसमे ताड़ी एकत्रित की जाती है ताड़ी के वृक्षों पर बेहद खुबसूरत नजर आती है`खजूर ,आम आदि के हरे -भरे पेड़ ऐसे लगते है`मानों ये भगोरिया मे जाने वालो का अभिवादन कर रहे हो ,फागुन माह में आम के वृक्षों पर नए मोर और पहाड़ो पर खिले टेसू का ऐसा सुन्दर नजारा होता है मानों प्रकृति ने अपना अनमोल खजाना खोल दिया हो देश ही नहीं अपितु विदेशों से भी इस पर्व को देखने विदेशी लोग कई क्षेत्रों में आते है लोक संस्कृति के पारम्परिक लोक गीतों को गाया जाकर माहौल मे एक लोक संस्कृति का बेहतर वातावरण देखने को मिलता हैसाथ ही प्रकृति और संस्कृति का संगम हरे -भरे पेड़ो से निखर जाता है`कई क्षेत्रों में जंगलो के कम होने से व गाँवों के विस्तृत होने से कई क्षेत्रो मे कम्पौंड के अन्दर ही नृत्य कर भगोरिया पर्व मनाया जाने लगा है । भगोरिया उत्सव के दौरान लोक संगीत हेतु बड़े आकार का विशेष प्रकार का ढोल नृत्य घेरे के मध्य खड़े होकर लोक संगीत बजाया जाता है`लोक संगीत हेतु बड़े आकार का विशेष प्रकार का ढोल नृत्य घेरे के मध्य खड़े होकर लोक संगीत बजाया जाता है` इसके संगीत में चुंबकीय आकर्षण होता है` इसके एक तरफ आटा लगा के बजाया जााता।लोक संगीत से जुड़े बड़े आकार के वाद्य यंत्रों का महत्व आज तक बरकरार है` इन वाद्य यंत्रो से निकले लोक संगीत के आनंद की बात ही कुछ और है इसके संगीत में चुंबकीय आकर्षण होता है` इस ढोल की प्रेक्टिस व तैयारी एक माह पूर्व से की जाती है` लोक संगीत ,लोक गीतों लोक नृत्य, लोक गायन , लोक कला कृति आदि के उपासकों द्वारा इन्हें संजोए रखने का कार्य प्रशंसनीय तो है ही साथी भावी पीढ़ी को इनकी विशेषता से परिचित भी करवाता है`मेले में आदिवासी महिलाएं टेटू पारंपरिक रूप से बनवाती है।इसके अलावा आभूषण जो चांदी से निर्मित होते है।पूरे शरीर पर आभूषण सुंदर डिजाइन के और उन आभूषण को भिन्न भिन्न नाम से जाना जाता है।वर्तमान में चांदी भाव आसमान छू रहे है` महिलाएं इन्हें पहन कर आती है इसमें सभी ग्रुप की ड्रेस कोड बड़ी सुंदर होती।लोक गीतों का भी समावेश बांसुरी संग किया जाता है।भगोरिया नृत्य टीम को सम्मानित किया जाता है दिल्ली में राष्ट्रीय पर्व पर भगोरिया पर्व की झांकी भी निकाली जाती है ।झाबुआ /आलीराजपुर /धार /खरगोन ,आदि जिलों के गांवों के निर्धारित की जाने वाले दिनांक को लगने वाले क्षेत्रीय हाट- बाजारों में भगोरिया पर्व को बेहतर तरीके से लोक गीतों पारंपरिक वाद्य यंत्रों के संगीत के साथ एवं लोकनृत्य से अपनी लोक संस्कृति को विलुप्त होने से बचाते आरहे है । इसका हम सभी को गर्व है ।

रीढ़ की हड्डी

रीढ़ की हड्डी का सीधा होना कभी मनुष्य के विकास का प्रमाण माना जाता था, पर आज के युग में यह एक गंभीर शारीरिक और मानसिक विकार है। यदि आपकी रीढ़ में जरा भी लचीलापन नहीं है, तो समझ लीजिए कि आप उन्नति की दौड़ में लंगड़े हो चुके हैं। दुनिया अब उन लोगों की नहीं रही जो सच बोलते हैं, दुनिया उनकी है जो सच को चाशनी में डुबोकर, उसे तलकर और उस पर 'पनीर' की गार्निशिंग करके पेश करते हैं। इसे ही हम सभ्यता की भाषा में 'चाटुकारिता' कहते हैं, वैसे बाजार में इसे 'नेटवर्किंग' और 'रिलेशनशिप मैनेजमेंट' के नाम से भी बेचा जाता है।

चाटुकारिता का पहला नियम यह है कि आपके पास अपनी कोई राय नहीं होनी चाहिए। आपकी राय वही है जो आपके 'बॉस' या 'आका' की है। अगर वे दोपहर के बारह बजे कहें कि वाह! कितनी सुहानी चाँदनी खिली है, तो आपको न केवल उनकी बात माननी है, बल्कि तुरंत यह भी जोड़ना है कि हुजूर, इस चाँदनी की शीतलता के कारण ही मुझे स्वेटर पहनना पड़ा है। जो लोग सूरज की तपिश दिखाने के लिए थर्मामीटर लेकर खड़े हो जाते हैं, वे अक्सर धूप में झुलसकर अकेले रह जाते हैं। इसके उलट, जो उस धूप में चाँदनी का अहसास करा दें, वे एयर-कंडीशंड कमरों में मलाई काटते हैं।

अक्सर लोग पूछते हैं कि इस कला में निपुण होने के लिए क्या कोई विशेष प्रशिक्षण चाहिए? नहीं साहब, इसके लिए केवल एक 'निर्लज्ज हृदय' और एक 'सदाबहार मुस्कान' की आवश्यकता है। कुछ लोग इसे जन्मजात लेकर पैदा होते हैं—जैसे ही नर्स ने उन्हें गोद में लिया, वे रोने के बजाय उसे 'थैंक यू' वाली नजरों से देखने लगते हैं। बाकी लोग इसे मेहनत से अर्जित करते हैं। साहित्य हो या राजनीति, यहाँ बिना 'तेल' के चक्का नहीं घूमता। यहाँ की प्रतिभा भी 'ऑयल रिफाइनरी' से होकर गुजरती है। आजकल तो चाटुकारिता का 'डिजिटल अवतार' और भी निराला है। किसी की पोस्ट पर 'लाइक' करना एक साधारण शिष्टाचार है, लेकिन 'हार्ट इमोजी' के साथ चार लंबे-लंबे विशेषण लिखना शुद्ध भक्ति है। लोग अब महान काम नहीं करते, वे बस महान लोगों की तस्वीरों को 'शेयर' करते हैं ताकि उनकी महानता की थोड़ी-सी धूल उनके अपने दामन पर भी गिर जाए। यह एक ऐसा निवेश है जिसमें जोखिम शून्य है और मुनाफा असीमित।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 27 फरवरी 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 06:55 सूर्यास्त 18:25
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - एकादशी 22:33 उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - आर्द्रा 10:49 उपरांत पुर्नवशु
योग - आयुष्मान 19:43 उपरांत सौभाग्य
करण - वणिज
चन्द्रमा - मिथुन में है। 27:52 पर कर्क में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - रमजान मास 09 तारिख

मेष- वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

वृषभ- स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मिथुन- बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी।

सिंह- मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। आय होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

कन्या- उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा।

तुला- व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें।

वृश्चिक- मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जल्दबाजी न करें।

धनु- लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं

मकर- मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

कुंभ- मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं, मेडिटेशन करें।

मीन- बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

भारत से नलखेड़ा तक - गौरव और रंगों की गाथा

यह भारत है – वीरों की धरती, विज्ञान की उड़ान,
चाँद-सितारों को छू आया, बढ़ा विश्व में मान।
संस्कृति जिसकी गंगा-सी पावन, विविधता जिसकी शान,
एकता का संदेश सुनाता, मेरा भारत महान।
उस भारत का हृदय कहलाता– मध्यप्रदेश महान,
वन-उपवन, नर्मदा धारा, समृद्धि की पहचान।
सांची-खजुराहो की कला, इतिहास का अभिमान,
मालवा की माटी गाए, श्रम, शौर्य और सम्मान।
और उसी हृदय में धड़कती पावन नगरी उज्जैन अपार,
जहाँ विराजें महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, भक्तों के आधार।
जहाँ काल भी शीश झुकाए, शिव का गूँजे नाम,
क्षिप्रा तट पर अमर गाथा, धर्म, ज्योतिष, ज्ञान धाम।
उसी पावन अंचल में शक्ति का अद्भुत स्वरूप,
नलखेड़ा में विराजी माँ, पीताम्बर सा रूप।
विश्व विख्यात माँ बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा की महिमा अपरम्पार,
संकट हरें, विजय दें माता, भक्त करे जय जयकार ।
देश-विदेश से आए श्रद्धालु लेकर विश्वास,
माँ के चरणों में पाते जीवन का उजियास।
जहाँ भक्ति संग शक्ति का संगम दिव्य अनूप,
वहीं फागुन लाता रंगों का अनुपम स्वरूप।
फागोत्सव की मधुर फुहारें, ढोलक की झंकार,
अबीर-गुलाल उड़े गगन में, प्रेम बने आधार।
रंगोत्सव में एक हो जाएँ ऊँच-नीच के भेद,
होली गाए भाईचारा, मिट जाएँ सब खेद।
भारत की उपलब्धि चमके, मध्यप्रदेश मुस्काए,
उज्जैन की महिमा अमर हो, जग शीश नवाए।
नलखेड़ा में माँ की कृपा, रंगों का विस्तार,
भक्ति, शक्ति और प्रेम से सजे यह त्यौहार।

मुकेश चौरसिया जायसवाल
नलखेड़ा

न धृतराष्ट्र-गांधारी बनों प्रहरी..!

संजय एम. तराणेकर
(दैनिक अवन्तिका)

तीस से ज्यादा बच्चों ने हाथ की नस काट ली,
ऐसा लगा जैसे माता-पिता ने अंतिम सांस लीं।
हे पालकों क्यों? धृतराष्ट्र बन अपने घर बैठे हो,
बच्चों पर रखिए नजर क्यों आँखें मून्दे बैठे हो।
लाख इसका दोष किसी ओर को चाहे दीजिए,
आप गांधारी सा आचरण तो उनसे न कीजिए।
संतान सेलफोन पे क्या? कर रही सुध लीजिए,
आत्मक्षति क्यों? हो रहीं उस पर ध्यान दीजिए।
युवामन डिजिटल संसार में गहराई से प्रभावित,
ऑनलाइन चैलेंज, हिंसक गेम्स क्षति संभावित।
माता-पिता, शिक्षक व समाज रखें इनसे संवाद,
घरेलू वातावरण ऐसा तैयार करें न जन्मे मवाद।
(संदर्भ-धमतरी में 'ब्लेड के पीछे छिपा सच')

शादी की बदलती तस्वीर: दिखावे, अहंकार और टूटते रिश्ते

प्रियंका सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

भारतीय समाज में शादी केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं रही है, बल्कि इसे हमेशा से परिवार, समाज और संस्कारों से जुड़ी एक पवित्र संस्था माना गया है। विवाह को जीवनभर का साथ, सुख-दुख में एक-दूसरे का संबल और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला समझा जाता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस संस्था की तस्वीर तेजी से बदली है। आज शादी का मतलब साथ निभाने का संकल्प कम और सामाजिक प्रदर्शन अधिक होता जा रहा है। परिणामस्वरूप रिश्ते कमजोर हो रहे हैं और तलाक या अलगाव के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

आज यह एक कड़वी सच्चाई है कि लोग शादी पर 20झ्र25 लाख रुपये या उससे भी अधिक खर्च कर रहे हैं, लेकिन उसी शादी के कुछ महीनों या दिनों तक चलने की कोई गारंटी नहीं रह गई है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 40 से 50 प्रतिशत वैवाहिक रिश्ते टूटने की कगार पर हैं या पहले ही टूट चुके हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक समस्या का संकेत है, जिसे नजरअंदाज करना आने वाले समय में भारी पड़ सकता है।

इस संकट का सबसे बड़ा कारण है दिखावे की संस्कृति। शादी अब एक निजी निर्णय नहीं, बल्कि एक भव्य इवेंट बन चुकी है, जिसमें होटल, डेस्टिनेशन वेडिंग, महंगे कपड़े, फोटोशूट और सोशल मीडिया पोस्ट सबसे अहम हो गए हैं। लोग यह सोचने में अधिक समय लगाते हैं कि मेहमान क्या कहेंगे, रिश्तेदार कितने प्रभावित होंगे और इंस्टाग्राम पर तस्वीरें कैसी दिखेंगी। लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालते कि जिस इंसान के साथ पूरी ज़िंदगी बितानी है, उसके विचार, स्वभाव, सहनशीलता और जीवन के प्रति दृष्टिकोण क्या हैं।

सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। हर व्यक्ति खुद को बेहतर दिखाने की कोशिश में अपनी वास्तविकता छिपा रहा है। शादी से पहले बनाई गई यह परफेक्ट इमेज शादी के बाद धीरे-धीरे टूटती है और जब सच्चाई सामने आती है, तब निराशा, टकराव और असंतोष जन्म लेता है। लोग समझ पाते हैं कि वे जिस इंसान से शादी कर बैठे हैं, वह वैसा नहीं है जैसा उन्होंने कल्पना की थी। दूसरा बड़ा कारण है धैर्य की कमी और अहंकार की अधिकता। आज के समय में लोगों का पेशेंस लेवल लगभग शून्य पर आ गया है, जबकि ईगो का स्तर सौ पर पहुंच चुका है। छोटी-छोटी बातों पर रिश्तों में दरार आ जाती है। संवाद करने, समझाने और समझने की जगह लोग तुरंत निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि यह रिश्ता काम नहीं करेगा। मैं क्यों समझौता करूँ? और मेरी खुशी सबसे ऊपर है जैसी सोच रिश्तों को खोखला कर रही है।

पहले रिश्तों में समस्याएं आती थीं, लेकिन उन्हें सुलझाने की कोशिश की जाती थी। आज समस्याएं आते ही लोग अलग होने को सबसे आसान समाधान मान लेते हैं। रिश्तों को निभाने की जगह उन्हें बदल देने की मानसिकता बढ़ती जा रही है। यह उपभोक्तावादी सोच केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब रिश्तों में भी प्रवेश कर चुकी है।

एक और महत्वपूर्ण कारण है संयुक्त परिवार प्रणाली का टूटना और एकल परिवारों का बढ़ना। संयुक्त परिवारों में बच्चे बचपन से ही बड़ों को देखकर सहनशीलता, त्याग, जिम्मेदारी और रिश्तों को निभाने की कला सीखते थे। मतभेद होते थे, लेकिन उन्हें बातचीत और समझदारी से सुलझाया जाता था। आज एकल परिवारों में पले-बढ़े बच्चों को यह व्यवहारिक प्रशिक्षण बहुत कम मिल पाता है।

धर्म-आस्था

दान का चमत्कार: त्याग और समर्पण का पावन पथ

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में ह्यदानह्न को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और आत्मोन्नति का सरलतम साधन माना गया है। हमारे शास्त्र बार-बार यह संदेश देते हैं कि दान का वास्तविक अर्थ केवल वस्तु का त्याग नहीं, बल्कि भीतर बैठे मोह, लोभ और अहंकार को छोड़ने की साधना है। जब व्यक्ति अपनी कमाई, समय या संसाधनों का अंश दूसरों के कल्याण के लिए समर्पित करता है, तब वह केवल किसी की सहायता नहीं करता, बल्कि स्वयं के व्यक्तित्व को भी ऊँचा उठाता है।

दान की परंपरा भारत की सामाजिक संरचना को संतुलित रखने का एक सशक्त माध्यम रही है। प्राचीन काल में गुरुकुल, धर्मशालाएँ, अन्नक्षेत्र और सेवा संस्थाएँ दान की भावना से ही संचालित होती थीं। यह परंपरा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक समाज में आर्थिक असमानता और सामाजिक चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में दान केवल पुण्य कमाने का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने का माध्यम बन जाता है।

शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि दान का सबसे बड़ा मूल्य उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित भावना में होता है। श्रद्धा और विनम्रता से किया गया छोटा सा दान भी महान फल देता है, जबकि दिखावे या अहंकार से किया गया बड़ा दान भी आध्यात्मिक दृष्टि से निष्फल माना जाता है। यही कारण है कि ह्लगुप्त दानह्न को सर्वोत्तम बताया गया है—जहाँ देने वाला प्रसिद्धि नहीं, बल्कि संतोष की तलाश करता है। विभिन्न ग्रंथों में अलग-अलग वस्तुओं के दान का विशेष महत्व बताया गया है। शय्या (बिस्तर) का दान आयु, यश और धैर्य में वृद्धि का कारण माना गया है। वस्त्र दान से दीर्घायु और उच्च लोक की प्राप्ति का उल्लेख मिलता है। पंखा दान करने से सात पीढ़ियों तक धर्म और पुण्य का लाभ बताया गया है, जबकि कपूर दान दुखों की निवृत्ति और मोक्ष मार्ग को प्रशस्त करने वाला माना गया है।

इसी प्रकार तकिया दान पापों के क्षय और सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ा गया है। फूल और चंदन का दान जीवन में सुख, भोग और मान-सम्मान बढ़ाने वाला माना गया है। चटाई का दान निरोगी काया और कार्यों में विजय का प्रतीक बताया गया है। जल से भरे घड़े का दान गया तीर्थ में श्राद्ध के समान पुण्य देने वाला कहा गया है, जबकि कंबल दान अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति प्रदान करने वाला माना गया है।

घी और चावल का दान यज्ञ के समान फल देने वाला बताया गया है, जिससे आयु और लक्ष्मी की वृद्धि होती है। वहीं लस्सी या छाछ का दान विद्या और धन की प्राप्ति से जोड़ा गया है। इन सभी उल्लेखों का गूढ़ अर्थ यह है कि दान व्यक्ति को भीतर से परिष्कृत करता है और समाज में संतुलन स्थापित करता है।

आध्यात्मिक दृष्टि से दान के कई सकारात्मक प्रभाव माने गए हैं। पहला, यह मानसिक शांति प्रदान करता है। जब व्यक्ति निःस्वार्थ भाव से किसी की सहायता करता है, तो उसे जो आत्मसंतोष मिलता है, वह किसी भौतिक उपलब्धि से कहीं अधिक स्थायी होता है। दूसरा, ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार विभिन्न ग्रह दोषों की शांति के लिए भी दान का विशेष महत्व बताया गया है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण, दान सामाजिक विषमता को कम करने का प्रभावी माध्यम है। हालाँकि दान करते समय विवेक और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। शास्त्रों ने स्पष्ट कहा है कि दान अपनी सामर्थ्य के अनुसार और सामने वाले की वास्तविक आवश्यकता को समझकर ही करना चाहिए। अंधानुकरण या दिखावे की भावना दान की पवित्रता को कम कर देती है। साथ ही, दान के साथ सम्मान का भाव भी जुड़ा होना चाहिए, ताकि सहायता पाने वाले की गरिमा अक्षुण्ण रहे।

आज के उपभोक्तावादी युग में, जब संग्रह की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, तब दान की संस्कृति हमें संतुलन और संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाती है। यह हमें याद दिलाती है कि संपत्ति का वास्तविक मूल्य उसके संचय में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। अंततः, दान का चमत्कार किसी जादुई फल में नहीं, बल्कि उस आंतरिक परिवर्तन में छिपा है जो देने की प्रक्रिया से उत्पन्न होता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1812-2800 चना काबली- 3100-9001, चना बड़ा- 4420-5071, रायड़ा- 5100-5901, बलटा- 1704-3938, सोयाबीन- 1401-5801, मसूर- 5091-5976 तिल्ली- 8290, धनिया- 7500 मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,58,500, रवा- 1,58,400 चांदी- टंच- 2,60,000 पाट- 2,60,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

महिदपुर में 1 मार्च को निकलेगी भव्य फाग यात्रा, फूलों व गुलाल से खेली जाएगी होली

महिदपुर। नगर सेठ श्री रणजीत हनुमान जी की कृपा से नगर में भव्य फाग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 1 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से श्री रणजीत हनुमान मंदिर, चेक बाजार से प्रारंभ होगा। फाग यात्रा में बैंड, डीजे सहित विभिन्न आकर्षक झांकियां शामिल रहेंगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः चैक बाजार में समापन करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु फूलों और गुलाल से होली खेलते हुए उत्सव का आनंद लेंगे। आयोजकों ने नगरवासियों से अपील की है कि वे सपरिवार इस भव्य फाग महोत्सव में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के लोकार्पण के बाद मरीजों को इलाज का इंतजार

महिदपुर। नगर के नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित छोटी-मोटी बिमारी और इलाज के लिये पुराने हाईस्कूल मैदान के बाहर तथा बीनपुरा रोड़ पर भीमाखेड़ा पंचायत के सामने लाखो रुपये खर्च कर 3 वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के बड़े-बड़े भवन बनाये गये थे। विधानसभा चुनाव के पूर्व इन भवनों का लोकार्पण भी हो चुका है । परंतु इन भवनों से नागरिकों को स्वास्थ्य की संजीवनी मिलना शुरू नहीं हुई है। नगर में बनाये भवन के दरवाजे रोज खुलते है और शाम 5 बजे बंद हो जाते है। भवन में इलाज करने वाले चिकित्सक, कम्पाउन्डर, नर्स और दवाईयों की कोई व्यवस्था नहीं है। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक योजना में बनाये भवनों में इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी प्रकार भीमाखेड़ा में बनाये भवन लोकार्पण के बाद ताले तक नहीं खुले है। जिला चिकित्सा विभाग व झारड़ा स्वास्थ्य केन्द्रों के अधीन आने वाले भवनों में विभाग शीघ्र स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करावें जिससे इस क्षेत्रों को स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध हो सकें। क्या स्वास्थ्य विभाग इस और ध्यान देकर नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायें।

केदारनाथ मंदिर रास्ता खोलने की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

श्रद्धालुओं ने हनुमान चौराह से कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली

गुना। पिछले तीन वर्षों से बंद पड़े केदारनाथ मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए तत्काल खोलने की मांग को लेकर मंगलवार को शहर में भक्तों का आक्रोश देखने को मिला। हनुमान चौराहा से कलेक्ट्रेट तक सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जुलूस निकालकर जनसुनवाई के दौरान एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। भाजपा के जिला महामंत्री एवं वरिष्ठ नेता संतोष धाकड़ के नेतृत्व में हनुमान चौराहे से कलेक्ट्रेट तक रैली पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बताया कि मंदिर लंबे समय से बंद होने के कारण उन्हें पूजा-अर्चना और दर्शन से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मंदिर को शीघ्र खोलकर नियमित पूजा-पाठ की व्यवस्था की जाए। जुलूस में शामिल लोगों ने भजन-कीर्तन करते हुए हाथों में तख्तियां लेकर मंदिर खोलने की मांग उठाई। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने श्रद्धालुओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

क्लब 08 बना वॉलीबॉल चैंपियन

गुना। लीडर्स इंटर-क्लब वॉलीबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में मंगलवार क्लब 08 ने लीडर्स क्लब को हराकर खिताबी जीत दर्ज की। इस भव्य प्रतियोगिता में गुना के 8 क्लबों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। मुख्य अतिथि एसपी अंकित सोनी ने विजेता टीम के कप्तान जग्गी रघुवंशी और उनके खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। एसपी श्री सोनी ने सभी प्रतिभागी क्लबों के खेल और उनके बीच की प्रतिस्पर्धा की जमकर सराहना की।

दैनिक अवन्तिका
अखबार की निम्न स्थानों पर एजेंसी देना है
बेरछा, अकोदिया, चौमा डाक बंगला, हाटपिपलिया, कालापीपल, खेड़ा खजूरिया, माचलपुर, खिलचीपुर, मड़ावदा, मेघनगर, माकड़ोन, नरसिंहगढ़, बुरहानपुर, पेटलावद, झाबुआ रानापुर, मनावर, सुवासरा, सोयतकलां में एजेंसी देना है।
सम्पर्क करें
दैनिक अवन्तिका कार्यालय
2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन
0734-4041777, मोबा. 9977755777

ट्रेचिंग ग्राउंड पर मिले गायों के शव, कांग्रेस ने महापौर के इस्तीफे की मांग की, निगम अधिकारी निलंबित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास के ट्रेचिंग ग्राउंड पर खुले में पड़े गायों के शव मिलने से नगर निगम की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नियमानुसार मृत पशुओं को गड्ढे में दफनाया जाना चाहिए, लेकिन कई गायों के अवशेष खुले में पाए गए, जिससे स्पष्ट लापरवाही सामने आई। बुधवार को इसका वीडियो सामने आया था।

घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस नेता प्रदीप चौधरी ट्रेचिंग ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से घटनाक्रम पर चर्चा की और व्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

महापौर से इस्तीफा मांगा

इसके साथ हीं आरोप लगाया कि नगर निगम में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग गाय के नाम पर चुनाव जीतते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं विफल हैं। चामुंडा माता की नगरी में ऐसी घटनाएं शहर की छवि को धूमिल करती हैं। चौधरी ने महापौर से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की है।

नगर निगम अधिकारी निलंबित

इस मामले में प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए निगम कमिश्नर दलीप कुमार ने नगर निगम के अधिकारी जितेंद्र सिसोदिया को निलंबित कर दिया है। साथ ही, दो अन्य अधिकारी-कर्मचारियों का सात-सात दिनों का वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। यह पूरा घटनाक्रम सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सामने आया था।

सहायक उपनिरीक्षकों को मंडी निरीक्षक का प्रभार, सुसनेर में तीन अधिकारियों को जिम्मेदारी

सुसनेर। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा सहायक उपनिरीक्षक संवर्ग के कर्मचारियों को मंडी निरीक्षक संवर्ग के उच्च पद का प्रभार सौंपा गया है। यह प्रभार सेवा शर्तों के अधीन प्रदान किया गया है, जिससे मंडी कार्यों में प्रशासनिक मजबूती आने की उम्मीद है। वरिष्ठता सूची के आधार पर चयनित अधिकारियों को उनके वर्तमान पदस्थापना स्थल पर ही प्रभारी मंडी निरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। सुसनेर कृषि उपज मंडी में तीन अधिकारियों को यह दायित्व सौंपा गया है। वरिष्ठता क्रमांक 139 (कास. क्र. 346) पर पदस्थ हरिनारायण मगोरिया को सुसनेर में प्रभारी मंडी निरीक्षक बनाया गया है। इसी प्रकार वरिष्ठता क्रमांक 144 (कास. क्र. 352) पर पवन कुमार शर्मा तथा वरिष्ठता क्रमांक 206 (कास. क्र. 478) पर जगदीश चन्द्र भील को भी प्रभारी मंडी निरीक्षक का प्रभार सौंपा गया है। मंडी निरीक्षक का प्रभार मिलने से नीलामी प्रक्रिया की निगरानी, तौल व्यवस्था में पारदर्शिता, किसानों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और मंडी की समग्र व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। स्थानीय स्तर पर इसे प्रशासनिक कार्यप्रणाली को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एयू उद्योगिनी कार्यक्रम के तहत 40 महिला उद्यमों का शुभारंभ

सीमित संसाधनों में जीवनयापन कर रही महिलाओं को मिला रोजगार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए एयू स्माल फायनेंस बैंक एवं मेजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित एयू उद्योगिनी कार्यक्रम के अंतर्गत शुजालपुर क्षेत्र में 40 महिला उद्यमों का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम ग्राम पंचायत भ्याना में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजन में ग्राम पंचायत शुजालपुर के सरपंच, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की टीम, मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधि तथा चयनित महिला उद्यमी मौजूद रहीं। वक्ताओं ने कहा कि एयू उद्योगिनी कार्यक्रम का उद्देश्य उन ग्रामीण महिलाओं को आगे बढ़ाना है, जिन्हें संसाधनों की कमी और सामाजिक परिस्थितियों के कारण अब तक अवसर नहीं मिल पाया। कार्यक्रम विशेष रूप से विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा तथा अत्यंत सीमित संसाधनों में जीवनयापन कर रही महिलाओं पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत पहले पात्र महिलाओं की पहचान की जाती है, तत्पश्चात उन्हें उद्यमिता के प्रति जागरूक किया जाता है। चयनित महिलाओं को उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें व्यवसाय योजना तैयार करना, बजट निर्माण, आय-व्यय प्रबंधन तथा व्यवसाय संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद महिलाओं ने अपने--अपने व्यवसाय की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की। इन योजनाओं के आधार पर बैंक द्वारा प्रारंभिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे वे अपने उद्यम प्रारंभ कर सकें।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के पश्चात सभी 40 दुकानों का विधिवत उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही महिलाओं ने अपने नए व्यवसाय की शुरूआत करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम बढ़ाया। उपस्थित अतिथियों ने महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह पहल न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास का संचार भी कर रही है। एयू उद्योगिनी कार्यक्रम ग्रामीण अंचल में महिला सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

संभागायुक्त ने किसानों से उन्नत तकनीक की खेती, मुनाफा जाना

देवास में आधुनिक खेती से लाखों कमा रहे किसान, बैलेंस शीट भी बनाते हैं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

संभागायुक्त आशीष सिंह ने देवास जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर आधुनिक कृषि पद्धतियों का उपयोग करने वाले प्रगतिशील किसानों के खेतों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा अपनाई जा रही उन्नत तकनीकों और उनसे मिल रहे मुनाफे को समझा।

ग्राम मेंढकी धाकड़ में संभागायुक्त ने किसान जगदीश नागर के खेत का दौरा किया। नागर ने बताया कि वे 5 हजार वर्ग फीट जमीन से 55 हजार रुपये की लौकी का उत्पादन कर रहे हैं। पहले वे पारंपरिक फसलें उगाते थे, लेकिन अब उद्यानिकी फसलों जैसे टमाटर, ड्रैगन फ्रूट, गोभी, धनिया और खरबूजा की खेती से उन्हें अच्छा मुनाफा मिल रहा है।

वे सिंचाई के लिए ड्रिप और मल्चिंग जैसी आधुनिक पद्धतियों का उपयोग करते हुए साल में तीन फसलें लेते हैं।

इसके बाद संभागायुक्त ने ग्राम जामगोद में किसान कैलाश पटेल द्वारा किए जा रहे केंचुआ खाद उत्पादन कार्य का अवलोकन किया। पटेल ने बताया कि उन्होंने 30 हजार रुपये की पूंजी से यह काम शुरू किया था, जिसे अब मेहनत और सही तकनीक से 3 लाख रुपये के टर्नओवर वाले सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

वे जैविक और केंचुआ खाद 6 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेच रहे हैं। उनके इस नवाचारी प्रयास से कई अन्य किसान भी जुड़कर जैविक खेती कर रहे हैं।

ग्राम अरनिया जागीर में किसान नारायण सिंह सेंधव के खेत पर पहुंचकर संभागायुक्त सिंह और कलेक्टर ऋतुराज आश्चर्यचकित रह गए। सेंधव ने बताया कि वे खेती को एक उद्योग के रूप में करते हैं और हर काम की बैलेंस शीट तैयार रखते हैं।

इसमें पौधे लगाने, खर्च, पानी और खाद देने का पूरा विवरण दर्ज होता है। वे एक एकड़ में साल भर में 8 लाख रुपये तक का करेला बेच देते हैं। हाल ही में उनके करेले की फसल 80 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से मंडी में बिकी है।

वे जल्द ही सफेद करेले की फसल भी तैयार कर रहे हैं, जिसे अनुमानित 105 से 110 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचने की उम्मीद है।

पुलिस द्वारा लापता किशोर सकुशल बरामद

सुसनेर। क्षेत्र के ग्राम सेमली से लापता हुए 15 वर्षीय किशोर को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर लिया। मामले में फरियादिया केलाश बाई पति करणसिंह बैलदार (उम्र 50 वर्ष) निवासी सेमली ने अपने पौत्र गोविंद पिता स्व. रामप्रसाद बैलदार (उम्र 15 वर्ष 10 माह) के लापता होने की रिपोर्ट थाना सुसनेर में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार किशोर 17 फरवरी 2026 की शाम करीब 5 बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा आसपास खोजबीन करने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर थाना सुसनेर में सूचना दी गई। पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण क्रमांक 6026 कायम कर तत्काल जांच प्रारंभ की। थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैस के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा आसपास के गांवों, बस स्टैंड एवं अन्य स्थानों पर पूछताछ की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने किशोर को सकुशल दस्तयाब कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई एवं पूछताछ उपरांत गुरुवार को किशोर को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। किशोर के सकुशल मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है।

अखिल विश्व गायत्री परिवार की बैठक आज

सारंगपुर। गायत्री परिवार सारंगपुर की शुक्रवार को गायत्री प्रज्ञापीठ सारंगपुर पर शाम 7:00 बजे एक बैठक आयोजन होगा जिसमें विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। गायत्री परिवार सारंगपुर के डॉ. केके मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में तीन विषयों पर चर्चा होगी जिसमें प्रथम शांतिकुंज से 5 दिवसीय शताब्दी वर्ष का सत्र कार्यक्रम की जानकारी तहसील समन्वयक प्रेम नारायण लववंशी द्वारा दी जादगी। गायत्री परिवार के ट्रस्ट गठन की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी। ग्रह गायत्री यज्ञ की योजना तय की जाएगी। मिश्रा ने बैठक में समय पर पधार कर सफल बनाने की अपील समाजजनों से की है।

मजदूर महासंघ का प्रदर्शन, कहा-7500 रुपए पेंशन की जाए

कलेक्टर कार्यालय पहुंचे आंदोलनकारी; बोले-ईपीएफ-ईएसआईसी की सीमा बढ़े

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में अखिल भारतीय इंजीनियरिंग एवं मेटल मजदूर महासंघ (भारतीय मजदूर संघ संबद्ध) ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री और श्रम एवं रोजगार मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन बढ़ाने सहित औद्योगिक श्रमिकों से जुड़ी विभिन्न मांगें उठाई गईं।

महासंघ के महामंत्री रामभान सिंह ने बताया कि प्रमुख मांगों में ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपए प्रतिमाह महंगाई भत्ते सहित लागू करना शामिल है। इसके साथ ही ईपीएफ में अनिवार्य अंशदान की वेतन सीमा 15,000 रुपए से बढ़ाकर 30,000 रुपए तथा ईएसआईसी के तहत वेतन सीमा 21,000 रुपए से बढ़ाकर 42,000 रुपए प्रतिमाह करने की मांग की गई है।

बोनस, स्थायीकरण और भर्ती पर रोक का मुद्दा

ज्ञापन में बोनस भुगतान अधिनियम, 1965 के तहत बोनस पात्रता की वर्तमान सीमा में वृद्धि करने की मांग भी रखी गई। महासंघ ने ठेका श्रमिकों को स्थायी करने, सामान्य भर्ती पर लगी रोक हटाने तथा श्रमिकों को सुरक्षित और सुनिश्चित रोजगार की गारंटी देने की अपील की है।

ज्ञापन सौंपने से पूर्व कलेक्टर कार्यालय परिसर में श्रमिक नेता जनार्दन पेठनकर एडवोकेट ने उपस्थित श्रमिकों को संबोधित करते हुए उनकी मांगों का समर्थन किया। इस दौरान शशिकांत बजे, माखनसिंह राजपूत, पदमाकर जोशी, गिरधारी लाल शर्मा, भूपत वर्मा, दीवाकर बोडखे, सुभाष पंडित सहित बड़ी संख्या में महासंघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला उज्जैन (म.प्र.)

प्रकरण कमांक-0069/अपील/2025-26-122
अपील सूचना समंस आदेश 05 नियम 1 सी.पी.सी

1. धापूबाई विधवा रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,
2. रामकिशन पिता रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,
3. राजेश पिता रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,

निवासीगण ग्राम जलोदिया, तहसील बडनगर, जिला उज्जैन
.....अपीलार्थी

विरूद्ध

1. सुशिल पिता रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,
2. प्रेमाबाई पुत्री रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,
3. सुशिलाबाई पुत्री रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,
4. ताराबाई पुत्री रमेश जी, जाति ब्राहम्ण,
5. मांगीलाल पिता पूनमचंद जी, जाति ब्राहम्ण,
6. कृष्णगोपाल पिता पूनमचंद जी, जाति ब्राहम्ण,
7. प्रकाश पिता पूनमचंद जी, जाति ब्राहम्ण,
8. गीताबाई पिता पूनमचंद जी, जाति ब्राहम्ण,
9. सुमनबाई पिता पूनमचंद जी, जाति ब्राहम्ण,
10. प्रेमचंद पिता रतनलाल जी, जाति ब्राहम्ण,
11. सकुन पुत्री रतनलाल जी, जाति ब्राहम्ण,
12. रूकमणिबाई विधवा ओमप्रकाश जी,
13. अशोक पिता ओमप्रकाश जी, जाति ब्राहम्ण,
14. अनिल पिता ओमप्रकाश जी, जाति ब्राहम्ण,
15. अर्जुन पिता ओमप्रकाश जी, जाति ब्राहम्ण,
16. रामसुखी बाई विधवा शांतिलालजी,
17. भूपेन्द्र पिता शांतिलालजी, जाति ब्राहम्ण,
18. गिरिराज पिता शांतिलालजी, जाति ब्राहम्ण,
19. दीपा पिता शांतिलालजी, जाति ब्राहम्ण,
20. जगदीश पिता बिहारीलालजी, जाति ब्राहम्ण,
21. लीलाबाई पुत्री बिहारीलालजी, जाति ब्राहम्ण,
22. कांताबाई पिता बालूजी, जाति ब्राहम्ण, निवासीगण ग्राम जलोदिया, तहसील बडनगर, जिला उज्जैन 23. मंजूबाई पति गोपालजी, जाति ब्राहम्ण, निवासी ग्राम कल्याणपुरा, तहसील दीगोद, जिला कोटा (राजस्थान)
24. विमलाबाई पिता बिहारीलालजी, जाति ब्राहम्ण, निवासी ग्राम जलोदिया, तहसील बडनगर, जिला उज्जैन

प्रत्यर्थीगण

आप प्रत्यर्थीगण के विरूद्ध अपीलार्थी के द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बडनगर, जिला उज्जैन म.प्र. के प्रकरण क्रमांक-0249/अ-6-अ/2023-24 में पारित आदेश दिनांक-27.11.2024 से व्यथित होकर इस न्यायालय के समक्ष यह अपील प्रस्तुत की है।

उक्त अपील प्रकरण की सुनवाई हेतु दिनांक-12.03.2026 नियत की गई है। इसलिए आप प्रत्यर्थीगण उक्त अपील के संबंध में सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए जिस पर आपकी प्रतिरक्षा आधारित हो मय दस्तावेजों के उक्त नियत दिनांक को न्यायालय में उपस्थित होकर अपने पक्ष प्रस्तुत करें। प्रत्यर्थीगण की अनुपस्थिति में अपील की सुनवाई का निपटारा नियमानुसार किया जावेगा।

(अपर कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित)

रीडर टू
अपर कलेक्टर जिला उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता हे किं मेरे पक्षकार ने राजुराम पिता विरमाराम जी जाति जाट निवासी ग्राम मोहनपुरा बावास बाडमेर राजस्थान से उनके द्वारा राहुल पिता शंकरलाल जी जाति आंजना निवासी ग्राम आक्यानजीक से अनुबन्धित भूमि जो कि ग्राम लेकोडा आंजना तहसील उन्हेल जिला उज्जैन मे स्थित होकर जिसका सर्वे नम्बर 502 रकबा 1.86 हे, मे से रकबा 0.265 हे, तथा सर्वे नम्बर 694/1 रकबा 0.44 हे, में से रकबा 0.11 हेक्टर जो कि कुल किता 02 होकर कुल रकबा 0.3750 हे, भुमि को, सिंचाई के अधिकार सहीत क्रय करने का अनुबन्ध किया है, जिसमे मेरे पक्षकार ने बयाना पेटे राशी भी अदा कर दी है ।

यह कि, उक्त कृषि भुमि पर किसी भी व्यक्ति, बैंक संस्था, सोसायटी, वित्तीय निकाय, भुमि, विकास बैंक, जिला सहकारी बैंक, शासकीय अथवा अर्धशासकीय, विभाग, या ट्रस्ट के पक्ष मे रहन, बय, दान, आदी, की डुई हो, अथवा उक्त कृषि भूमि के किसी भी वैद्य उत्तराधिकारियों का उक्त भुमि मे किसी प्रकार का कोई स्वत्व, हित्त, हिस्सा, हो या किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति होतो, इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर असल दस्तावेज, मय प्रमाण के मेरे अग्रलिखीत आफिस में मिले व आपत्ति पेश करे।

अतः इस जाहिर सुचना के द्वारा सूचित किया जाता हे कि 7 दिवस की अवधि मियाद के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भुमि का विक्रय पत्र का सम्पादन अपने पक्ष में करवा लिया जावेगा, तथा बाद मियाद ऐसी कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हित में बन्धनकारक नहीं रहेगी। दिनांक 25/02/2026

जाकिर हुसैन एडव्होकेट
पता:- किदवई मोहल्ला चांदबड चौक
उन्हेल तहसील नागंदा जिला उज्जेन
मोबा. 98278-47404 एंव 99260-66398

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने कमल पिता बालाराम जी खिंची जाति बन्जारा निवासी ग्राम बरखेडा नजीक से उनके द्वारा भुरा पिता शिवाजी गुर्जर से अनुबन्धित भुमि जो कि ग्राम जलोदिया उन्हैल में स्थित होकर जिसका सर्वे नम्बर 36/1 रकबा 1.40 हेक्टर भुमि मे से रकबा 0.40 हेक्टर भूमि जो कि प्रधानमन्त्री रोड से लगी हुई हे को, सिंचाई के अधिकार सहित' क्रय करने का अनुबन्ध किया है जिसमे मेरे पक्षकार ने बयाना पेटे राशि भी अदा कर दी है।

यह कि, उक्त कृषि भूमि पर किसी भी व्यक्ति, बैंक संस्था, सोसायटी, वित्तीय निकाय, भुमि, विकास बैंक, जिला सहकारी बैंक, शासकीय अथवा अर्धशासकीय, विभाग, या ट्रस्ट के पक्ष मे रहन, बय, दान, आदी, की डुई हो, अथवा उक्त कृषि भूमि के किसी भी वैद्य उत्तराधिकारियों का उक्त भुमि मे किसी प्रकार का कोई स्वत्व, हित्त, हिस्सा, हो या किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति होतो, इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर असल दस्तावेज, मय प्रमाण के मेरे अग्रलिखीत आफीस में मिले व आपत्ति पेश करे।

अतः इस जाहिर सुचना के द्वारा सुचित किया जाता है कि 7 दिवस की अवधि मियाद के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भुमि का विक्रय पत्र का सम्पादन अपने पक्ष में करवा लिया जावेगा, तथा बाद मियाद ऐसी कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हित में बन्धनकारक नही रहेगी। दिनांक 25/02/2026

जाकिर हुसैन एडव्होकेट
पता:- किदवई मोहल्ला चांदबड चौक
उन्हेल तहसील नागंदा जिला उज्जेन
मोबा. 98278-47404 एंव 99260-66398

महिदपुर के गंगावाडी मेला परिसर में द्वारका मंत्री की भजन संध्या में झुमे भक्त

महिदपुर । नगर पालिका परिषद् द्वारा 103 वां भव्य गंगावाडी मेला (मवेशी) में भजन गायक द्वारका मंत्री देवास की भजन संध्या का आयोजन किया गया। समारोह की शुरूआत में पूर्व विधायक बहादुरसिंह चैहान, नगर पालिका अध्यक्ष नानीबाई ओमप्रकाश माली, भाजपा मंडल अध्यक्ष उमा पांडे, पार्षद आशा राठौर, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य निर्भयसिंह भाटी, जनपद सदस्य रीता बडगुर्जर ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्जवलित किया। जिसके बाद नगर पालिका सीएमओ राजा यादव द्वारा सभी अतिथियों और भजन गायक द्वारका मंत्री का स्वागत सम्मान किया। गणेश वंदना के साथ द्वारका मंत्री ने भजन संध्या की शुरूआत की। जिसके बाद भजनों की धुन पर श्रद्धालु नाचते झुमते नजर आए। पत्थर की राधा रानी गीत पर श्रद्धालुओं को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। देर रात तक बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने द्वारका मंत्री के भजनों का श्रवण किया। भजन संध्या के दौरान श्रद्धालु भगवान की भक्ति में लीन नजर आए। इस दौरान प्रख्यात कवि दिनेश दिगज भी मौजुद रहे। 27 मार्च को राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का होगा आयोजन - नगर पालिका द्वारा गंगावाडी मेला परिसर में 27 मार्च शुक्रवार को शाम 4 बजे राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दिल्ली सहित अन्य राज्यों से पहलवान भाग लेंगे। नगर पालिका द्वारा कुश्ती प्रतियोगिता के लिए विशेष तैयारियां की गई है।

मंडी सचिव ठाकुर का स्थानांतरण सिराली हरदा होने पर विदाई समारोह आयोजित

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में कृषि उपज मंडी समिति ब्यावरा के मंडी सचिव अशोक कुमार ठाकुर का स्थानांतरण कृषि उपज मंडी समिति सिराली जिला हरदा में हो जाने के कारण उनका विदाई समारोह मंडी के सभा कक्ष में आयोजित किया गया जिसमें नवनियुक्त मंडी सचिव भगवान सिंह सोलंकी लेखपाल गोपाल सिंह सिकरवार, राजेश सक्सेना, प्रियांशु जाटव, बद्रीलाल भिलाला, हरिप्रसाद सेन, आकाश भिलाला, रोहित विश्वकर्मा, सीताराम वर्मा श्याम सुंदर जितेंद्र सिंह सिकरवार, महेश यादव, मोहनलाल नगर, कन्हैया लाल यादव, राहुल सोंधिया, नितिन शर्मा, देवीसिंह केसरिया, भगवानसिंह चंद्रवंशी, गोकुल दास शर्मा, मनोहर गिरी, सुनील शर्मा एवं समस्त मंडी कर्मचारीगण उपस्थित रहे एवं श्री ठाकुर के उज्जवल भविष्य की कामना की, तत्पश्चात भंवर सिंह सोलंकी द्वारा सचिव पद का कार्यभार ग्रहण किया गया।

तराना में 80 वें तिलभांडेश्वर मवेशी मेले का शुभारंभ

तराना। बुधवार को 80वें तिलभांडेश्वर मवेशी मेला का शुभारंभ किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रूपेश परमार ने बताया कि पूर्व में परिषद द्वारा 08/01/26 को परिषद की बैठक में मेला लगाने का निर्णय लिया गया। 20/01/26 को परिषद की मेला समिति का निर्माण किया गया। दिनांक 27/01/26 को अनुविभागीय अधिकारी व थाना प्रभारी को अनुमति प्रदान करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी की अनुमति पश्चात विधिवत मेला शुभारंभ किया गया।इस दौरान जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत मोहन भारती , पंडा चरणसिंह , नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रूपेश परमार, महंत ओम भारती, महंत सरस्वती गिरी महाराज, पवन बारोड सदानंद दीक्षित, विजय जायसवाल नगर के गणमान्य नागरिक गणो की उपस्थिति में विधिवत शुभारंभ तिलभांडेश्वर महादेव का पूजन अर्चन किया।

आरोन, सिरोंज बायपास पर शव रखकर पीड़ित परिवार ने किया चक्काजाम

गुना। जिले के आरोन थाना क्षेत्र अंतर्गत आरोन, सिरोंज बायपास पर शव रखकर पीड़ित परिवार ने बुधवार उस समय चक्काजाम कर दिया जब वह गुना से पीएम के बाद शव घर आरोन ले जा रहे थे। मामला मंगलवार को दो पक्षों में जमीनी वादविवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फॉर व्हीलर वाहन चढ़ाने का बताया जा रहा है। परिजनों ने बताया कि बजरंगगढ़ स्थित शिवभान सिंह सोलंकी अपने बेटों के साथ गुना से घर वापस आ रहे थे तभी उनकी कार में कार आडा दी जिससे उनके पिता की मौत हो गई। वहीं कार में बैठे दोनों बेटे भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। परिजनों का आरोप है कि कार्यवाही न होने पर चक्का जाम किया है। परिजनों ने आरोपियों पर धारा 302 एवं मकानों पर बुलडोजर कार्यवाही करने की मांग पुलिस और प्रशासन से की जा रही थी।

वेतन रोकने, अर्थदंड और निलंबन के विरोध में पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

आंदोलन का ऐलान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर अनुपपुर जिले के पटवारियों ने वेतन रोके जाने, अर्थदंड अधिरोपित करने और निलंबन की कार्रवाई को लेकर शाजापुर जिले के पटवारियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। पटवारी संघ की शाजापुर जिला इकाई ने क्षेत्र की विभिन्न तहसीलों में ज्ञापन सौपा, जिसमें कहा कि अनुपपुर में अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच कई बार पटवारियों का वेतन माह की अंतिम तिथि पर आगामी आदेश तक रोका गया। बताया गया कि अप्रैल 2025 में तहसील जैतहरी के पटवारियों का वेतन रोका गया, इसके बाद जुलाई, अगस्त, सितंबर 2025 तथा 30 जनवरी 2026 को भी वेतन रोके जाने की कार्रवाई की गई। संघ का आरोप है कि लगभग आठ माह से

वेतन रोकने की एकपक्षीय कार्रवाई से कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक व मानसिक प्रताडा का सामना करना पड़ा, जबकि इसी अवधि में दीपावली और दशहरा जैसे प्रमुख त्योहार भी रहे।

बिना अपील लगाए अर्थदंड का आरोप

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के दौरान 38 पटवारियों पर कुल 2 लाख 64 हजार 625 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। संघ का कहना है कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत पटवारी पदाविहित अधिकारी नहीं है, इसके बावजूद बिना आवेदक की अपील के दंडात्मक कार्रवाई की गई, जो विधि विरुद्ध है। संघ ने उक्त अर्थदंड निरस्त करने की मांग की है।

30 पटवारी निलंबित 9 अब भी बहाली से वंचित

संघ के अनुसार उक्त अवधि में लगभग 30 पटवारियों को बिना नोटिस निलंबित किया गयाए जिनमें से 9 पटवारी अब भी निलंबित हैं। सभी निलंबित कर्मचारियों की तत्काल बहाली की मांग की गई है।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो 25 व 26 फ रवरी 2026 को प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इस दौरान सभी जिलाध्यक्ष अनूपपुर कलेक्ट्रेट का घेराव कर सकते हैं। मांगें पूरी नहीं होने पर 27 फ रवरी से चरणबद्ध आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन अनूपपुर की होगी। पटवारी संघ ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन समस्याओं का समाधान कर आवश्यक आदेश जारी करेगा, ताकि प्रदेशव्यापी आंदोलन की नौबत न आए।

ओलावृष्टि से हुई भारी क्षति पर राज्य सरकार मुआवजा देवे-नवलखा

महिदपुर। प्रदेश के साथ ही उज्जैन जिला एवं महिदपुर तहसील के विभिन्न गांवों में भारी वर्षा, तेज हवा एवं ओलावृष्टि से गेहूं व अन्य फसलों में भयंकर नुकसानी हुआ है जिससे किसान अपनी फसलों की हुई ज्नुकसानी पर बेबस व लाचार दिखाई दे रहे है। किसानों को राज्य सरकार तत्काल राहत एवं मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश देवे साथ ही खेती पर आधारित कृषि व अन्य मजदूरों को बेरोजगार होने पर मुआवजा व राहत राशि देकर उनकी बदतर माली हालत सुधारने हेतु सार्थक कदम उठावें ताकि किसान व मजदूरों को संबल प्राप्त हो सकें। उक्त मांग सामाजिक कार्यकर्ता व प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता अशोक नवलखा ने शासन से कर अविलम्ब प्रभावित व हताश, निराश लोगो की मदद करने हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की है।

हिंदू धर्म का सरेआम मजाक उड़ाती ब्यावरा नगर पालिका

ब्यावरा। विगत 6 महीने पहले नवरात्रि में मां भगवती की स्थापना कर पूजा अर्चना की और उनका विसर्जन अजनार नदी में किया गया था लेकिन ब्यावरा नगर पालिका परिषद अपने निकम्मेपन और निष्क्रिय होने के कारण तथा भ्रष्टाचार में अकंठ डूबी और आंखों पर काली पट्टी बांधे मां भगवती के स्वरूप का विसर्जन भी ठीक से नहीं कर पाई, सिविल अस्पताल रोड के पुल पर एक 6 महीने से आधी डूबी हुई माताजी का स्वरूप को सब देख रहे है हिंदू धर्म की बात करते हैं हिंदू सम्मेलन करते हैं चंदा उगते हैं और ब्यावरा के विकास के लिए बड़े-बड़े भाषण देते हैं लेकिन विकास सरेआम दिख रहा है कि दूषित गंदी कीचड़ भरी अजनार नदी में माताजी का स्वरूप पड़ा हुआ है, जिम्मेदारों का इस ओर ध्यान क्यों नहीं जा रहा है नगर पालिका के जिम्मेदार अध्यक्ष और सीएमओ को अपना पद तुरंत त्याग देना चाहिए इस्तीफा दे देना चाहिए जिसने हिंदू धर्म का अपमान सरेआम किया है। इस रोड से मंत्रीगण व कई प्रशासनिक अधिकारी आम नागरिक गुजरते हैं किसी का ध्यान प्रतिमा पर क्यों नहीं गया क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यही है सफाई अभियान, भाजपा का विकास और पार्टी का काम। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रचना भार्गव ने कहा कि ब्यावरा नगर पालिका अध्यक्ष को इस्तीफा दे देना दीजिए और ऐसे व्यक्ति के हाथ में अपना प्रभार दे दीजिए जो नगर की अव्यवस्थाओं को देखकर उनका निराकरण कर सके और विकास कर सके ।

भक्तिभाव से भगवान को चढ़ाए जा रहे अर्घ, 3 मार्च को होगा समापन

अष्टान्हिका महापर्व पर दिगंबर जैन बडा मंदिर में आयोजित हो रहा सिद्धचक्र मंडल विधान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

फाल्गुनी अष्टान्हिका महापर्व पर जैन मंदिरों में अभिषेक पूजा-पाठ के साथ-साथ अष्टदिनी सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बडा मंदिर में धूमधाम से किया जा रहा है। जिसमें भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के साथ सिद्धों का गुणानुवाद भक्ति के साथ किया जा रहा है।

विधान के 2 दिन सिद्ध परमात्मा का गुणगान करते हुए 16 अर्घ समर्पित किए। 3 मार्च को विधान समापन के दिन 1024 अर्घ चढ़ाए जायेगा। दूसरे दिन विश्व शांति महायज्ञ का भी आयोजन किया जायेगा। गणधर मुनि श्री 108 विवर्धन सागर जी महाराज,मुनिश्री विश्वनायक जी महाराज एवं संघ के मुनिश्री के सानिध्य में दिगम्बर जैन समाज सुसनेर के द्वारा आयोजित मंडल विधान 23 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। विधान में संगीतमय पूजन का आयोजन कर भगवान की भक्ति की जा रही हैं। इस महामंडल के माध्यम से विश्व को बचाने एवं देश में शांति की

कामना इस मंडल विधान में की जा रही हैं। इस मंडल विधान में पूजन के साथ 51 हजार जाप का संकल्प लिया गया हैं। मंडल विधान के दौरान प्रतिनिधी मुनिश्री विवर्धन सागर जी महाराज के प्रवचन भी हो रहे है।

पूजन के बाद मंडल विधान में के इन्द्रो के द्वारा विश्व शांति के लिए जाप भी किया जा रहा हैं। मंडल विधान की सभी धार्मिक क्रियाऐं उज्जैन निवासी पंडित खुमानसिंह जी जैन के द्वारा संपन करवाई जा रही है। मंडल विधान में संगीतकार के रूप में मौजूद दीपक जैन बंधु कुलदीप चौधरी एवं ललित सांवला के द्वारा संगीतमय भजनों के माध्यम से भगवान की भक्ति की। शाम को 7 बजे श्रीजी की भव्य महाआरती में इंद्र इंद्राणी, श्रद्धालुओं के द्वारा आरती की जा रही हैं। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा हैं।

मंडल विधान में सिद्धों की होती है पूजन

पंडित खुमान सिंह जैन के अनुसार जैन परंपरा में पूजा, उपासना का विशेष महत्व है। इनमें से सिद्धचक्र महामंडल विधान की और भी अधिक महिमा है। यह एक ऐसा अनुष्ठान है जो हमारी जीवन के समस्त पाप-ताप और संताप को नष्ट कर देता है। सिद्ध शब्द का अर्थ है कृत्य-कृत्य, चक्र का अर्थ है समूह और मंडल का अर्थ एक प्रकार के वृताकार यंत्र से है। इनमें अनेक प्रकार के मंत्र व बीजाक्षरों की स्थापना की जाती है।

विधानसभा सत्र में

जनअभियान के नियमितीकरण पर सवाल, सेवा अवधि पर मांगी स्पष्टता

सुसनेर। मध्यप्रदेश विधानसभा में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के विनियमितीकरण का मुद्दा गूंजा। जिसका सीधा संबंध मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् से जुड़ा है। विधानसभा के आठवें दिन बुधवार को प्रश्न क्रमांक 2727 के तहत विधायक भैरो सिंह बापू ने सरकार से पूछा कि परिषद में कितने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को किस नियम के अंतर्गत विनियमित किया गया है तथा उनके नाम और नियुक्ति दिनांक सहित जानकारी दी जाए।

इस पर जवाब देते हुए जगदीश देवड़ा उप मुख्यमंत्री (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी) ने बताया कि परिषद में कुल 76 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 5-1/2013/1/3 भोपाल दिनांक 7 अक्टूबर 2016 के तहत स्थाई कर्मी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारियों के नाम, नियुक्ति तिथि और अन्य विस्तृत जानकारी पुस्तकालय में रखे गए परिशिष्ट के अनुसार उपलब्ध है। सदन में प्रश्न के दूसरे भाग में यह भी पूछा गया कि ऐसे कितने कर्मचारी हैं जिनकी सेवाएं 10 वर्ष पूर्ण नहीं हुई थीं फिर भी उन्हें विनियमित किया गया। मंत्री ने इस संबंध में भी जानकारी पुस्तकालय में उपलब्ध होने की बात कही। विधानसभा में उठे इस मुद्दे के बाद परिषद से जुड़े कर्मचारियों और आमजन में चर्चा का माहौल बना हुआ है। सेवा अवधि, पात्रता मानदंड और प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। विपक्ष ने स्पष्ट आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि विनियमितीकरण की प्रक्रिया किस प्रकार अपनाई गई। सरकार की ओर से दोहराया गया कि समस्त कार्रवाई सामान्य प्रशासन विभाग के निर्धारित नियमों के अनुरूप की गई है। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का विनियमितीकरण लंबे समय से संवेदनशील विषय रहा है। क्योंकि इससे कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा और अन्य शासकीय लाभ प्राप्त होते हैं। ऐसे में आने वाले समय में यह विषय और अधिक चर्चा का केंद्र बन सकता है।

कार्यालय लोक निर्माण विभाग में न्यायालय ने की संपत्ति कुर्क की कार्यवाही

गुना। जिला मुख्यालय पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मधुलिका मूले की न्यायालय से पारित आदेश पर बुधवार पीडब्ल्यूडी विभाग की संपत्ति कुर्क करने की बड़ी कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही से ऑफिस में हड़कंप मच गया, वहीं कार्यवाही को देखने के लिए लोगों और कर्मचारियों का हुजूम देखा गया। फरियादी रिटायर्ड कर्मचारी कौशल कुमार राठौर एलडीसी बाबू निवासी घोसीपुरा ने बताया कि उन्होंने अपने हक और नौकरी का पैसा लेने सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। इसके बावजूद भी फरियादी का एरियर भुगतान नहीं किया और लटकाए रखा।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत गुना जिले में दो दिवसीय कृषि विज्ञान एवं मिलेट मेले का शुभारंभ

किसानों को दी कृषि को लाभ का धंधा बनाने और परंपरागत तरीके तथा उन्नत तकनीक से खेती करने की जानकारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

कृषकों की आय वृद्धि, उन्नत तकनीकों के प्रसार और नवाचार आधारित खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषक कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह मिलेट मिशन मेला का शुभारंभ आज 25 फरवरी 2026 को जलसा मैरिज गार्डन, गायत्री मंदिर के सामने गुना में किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल,जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र सिंह किरार, संतोष धाकड़, सांसद प्रतिनिधि अशोक शर्मा, कल सिंह पटेलिया, कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राजपूत, मुनेश धाकड़, रमेश मालवीय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं उपसंचालक कृषि संजीव शर्मा, उपसंचालक उद्यानिकी केपीएस किरार सहित अन्य अधिकारी एवं लगभग 2000 कृषकगण उपस्थित हुये।

इस अवसर पर कार्यक्रम में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की ओर से भी किसानों की सराहना की

गई। उन्होंने कहा कि जिले के किसान निरंतर नए-नए प्रयोग कर विकास की राह में आगे बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष किसानों ने उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और कृषि के नए मॉडल विकसित हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्राकृतिक खेती का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा प्रारंभिक वर्ष में उत्पादन कुछ कम हो सकता है, किंतु समय के साथ उत्पादन में वृद्धि होती है। जैविक उत्पादों की बाजार में मांग अधिक है और इनके बेहतर दाम भी प्राप्त होते हैं। विभिन्न प्रमाणपत्र मिलने से निर्यात में भी सुविधा होती है तथा जैविक उत्पाद स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होते हैं। जैविक उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक रविवार को हाट बाजार लगाया जा रहा है। इस मॉडल को आगे ब्लॉक और पंचायत स्तर तक विस्तारित करने की कार्ययोजना भी बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कृषि सखियाँ भी किसानों को निरंतर जागरूक कर रही हैं। विशेष बात यह है कि महिलाएँ स्वयं आगे आकर किसानों को तकनीकी जानकारी प्रदान कर रही हैं और उन्हें नई-नई कृषि विधियाँ सीखा रही हैं। इस वर्ष ई-विकास प्रणाली भी लागू की गई है, जिसके तहत किसानों को अब लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी। ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे किसानों को मोबाइल पर ही यह जानकारी मिल जाएगी कि किस केंद्र से, किस तारीख को और किस स्लॉट के लिए खाद उपलब्ध होगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के किसान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक हैं।

ये रहे उपस्थित

मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र देवास से वैज्ञानिक डॉ.आर.पी. शर्मा तथा डॉ.के.एस. भार्गव, कृषि विज्ञान अशोकनगर से डॉ. बी.एस.गुप्ता, डॉ. व्ही.के.जैन तथा डॉ.हेमंत कुमार, कृषि विज्ञान केन्द्र आरोन से डॉ.धमेन्द्र सिंह तथा डॉ.अमित कुमार द्वारा किसानों को नई कृषि तकनीकों का प्रसार, उन्नत बीज व किस्मों का प्रदर्शन, जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, कृषि यंत्रो की विस्तृत जानकारी कृषकों को प्रदान की गई। साथ ही प्रगतिशील किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन एवं संवाद सत्र आयोजित किए गये एवं मेले में प्राकृतिक खेती, मिलेट गैलेरी, खाद, बीज, दवा, सिंचाई उपकरण, कृषि यंत्र निमार्ता/विक्रेता कंपनियों द्वारा अपनी स्टॉल के माध्यम से अपने उत्पादों की जानकारी प्रदान की गई। अंत में संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ग्वालियर द्वारा अपने उद्बोधन उपरांत कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

उत्साह व उमंग के साथ मनाया फाग उत्सव, वैश्य महिला इकाई का आयोजन

शुजालपुर। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई का जिला स्तरीय फाग महोत्सव आष्टा रोड स्थित टीटीएल रेस्टोरेंट में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता करते हुए गुलाल व पुष्पवर्षा के बीच बरसाने की लठमार होली की झलक प्रस्तुत की और पारंपरिक फाग गीतों पर जमकर थिरकीं। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री बीना माहेश्वरी, संभाग महामंत्री ग्रीष्मा शाह एवं जिला अध्यक्ष वीणा गोयल ने बताया कि आयोजन में आसपास की शाखाओं से भी महिलाएं शामिल हुईं। नगर अध्यक्ष लता विजयवर्गीय, तहसील अध्यक्ष अंजू सोनी तथा अकोदिया अध्यक्ष अमिता डागा ने उपस्थित महिलाओं का गुलाल लगाकर एवं फूल बरसाकर स्वागत किया। अतिथियों को ठंडाई पिलाकर आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। फाग उत्सव में राधा-कृष्ण स्वरूप में लाज खत्री और सरोज गोयल विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। रंगारंग प्रस्तुतियों और मनोरंजक खेलों के बाद सभी महिलाओं ने सहभोज का आनंद लिया। पूरे आयोजन में उल्लास, सौहार्द और सांस्कृतिक परंपराओं की छटा देखने को मिली। अंत में सभी ने एक-दूसरे को रंगों के इस पावन पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

माता शबरी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई

पारंपरिक वेशभूषा एव पारंपरिक ढोल और मांदल की थाप पर लोकनृत्य आकर्षण रहा

ब्यावरा। आदिवासी भील समाज ने मां शबरी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई इस समारोह में नगर व आसपास के गावों के सैकड़ों समाज बंधु महिलाओं व नौजवान युवकों ने भाग लिया इस मौके पर समाजजनों ने माता शबरी की झांकी की भव्य शोभा यात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में बालिकाएं सिर पर कलश लिए चल रही थी, ढोल-ताशों, ध्वजों और जय माँ शबरी के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा, आदिवासी लोक नृत्य दल द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं पारंपरिक ढोल और मांदल की थाप पर प्रस्तुत नृत्य ने लोगों का मनमोह लिया और आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत को जीवंत कर दिया लोकनृत्य के समाज के युवा ढ़ोल बेंड बाजों की धुन पर जमकर थिरक रहे थे।

आमलकी एकादशी को रंगभरी एकादशी भी कहा जाता है। यह विष्णु जी के साथ-साथ महादेव को प्रसन्न करने के लिए भी अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस दिन विधि-विधान से प्रभु की उपासना करने से संकटों का निवारण होता है।

आमलकी एकादशी

इन 5 में से करें कोई एक उपाय भगवान विष्णु दूर करेंगे सभी संकट

इस साल आमलकी एकादशी 27 फरवरी को मनाई जा रही है। इसे रंगभरी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन शिव जी और भगवान विष्णु की उपासना करना अत्यंत शुभ होता है। इसके प्रभाव से साधक पर देवी-देवताओं की असीम कृपा बनी रहती हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। शास्त्रों के मुताबिक, आंवले के वृक्ष में स्वयं भगवान विष्णु का वास होता है। इसलिए आमलकी एकादशी पर इस पेड़ की उपासना करने से मोक्ष की प्राप्ति और जीवन में सुख-सौभाग्य बढ़ने लगता है। हालांकि, कुछ सरल उपाय करने से विवाह मार्ग की बाधाएं, धन लाभ, करियर सफलता व कई रूके हुए कार्यों को गति प्रदान होती हैं। ऐसे में आइए आमलकी एकादशी से जुड़े सरल उपायों को जानते हैं।

आमलकी एकादशी 2026

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी का प्रारंभ 27 फरवरी 2026 को तड़के 12:33 से होगा।

तिथि का समापन 27 फरवरी 2026 की रात 10:32 पर होगा।

आमलकी एकादशी 2026 में 27 फरवरी को मनाई जाएगी।

व्रत पारण 28 फरवरी को सुबह 6 बजकर 47 मिनट से 9:06 तक की अवधि में किया जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, आमलकी एकादशी के दिन भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की संपूर्ण विधि से उपासना करनी चाहिए। इस दौरान पीले फूल, वस्त्र और चंदन प्रभु को अर्पित करें। इससे सुख-समृद्धि बढ़ती हैं।

आमलकी एकादशी के शुभ दिन पर आप आंवले के वृक्ष की विधिपूर्वक पूजा करें। इसके बाद 7 बार पेड़ की परिक्रमा कर लें। इस दौरान शुद्ध देसी घी का दीपक अवश्य जलाएं। इससे मानसिक शांति बनी रहती हैं।

इस दिन शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। इस दौरान देवी पार्वती को 16 श्रृंगार का सामान अर्पित करें। फिर बेलपत्र शिवजी को चढ़ाएं। इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती हैं।

आमलकी एकादशी पर आप केले के वृक्ष की पूजा अवश्य करें। धार्मिक ग्रंथों में इसे विष्णु स्वरूप माना गया है। पेड़ के पास आप दीप प्रज्वलित करते हुए प्रभु के नामों का जप करें। इससे वैवाहिक जीवन मधुरमय बनता है।

एकादशी के दिन शंख से भगवान विष्णु का अभिषेक करना अत्यंत लाभकारी होता है। इससे सौभाग्य और आध्यात्मिक उन्नति होती हैं। इस दौरान गुड़ का भोग विष्णु जी को लगाएं। इससे करियर में आ रही बाधाएं दूर होने लगती है और मार्ग प्रशस्त होता है।

होली पर मंगल-राहु की युति इनके लिए समय रहेगा कष्टकारी

इस साल होली पर ग्रहण और अंगारक योग का संयोग रहेगा। इसका नकारात्मक प्रभाव कुछ राशि वालों के लिए समस्याओं से भरा हो सकता है। साथ ही तनाव की स्थिति और जीवन में कई तरह के उतार-चढ़ाव झेलने पड़ सकते हैं।

इस बार 4 मार्च 2026 को होली मनाई जा रही है। यह तिथि ज्योतिष दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगी। दरअसल, होली पर ग्रहों के सेनापति मंगल कुंभ राशि में विराजमान होंगे। इस दौरान छाया ग्रह राहु भी इस राशि में रहने वाले हैं। ऐसे में मंगल और राहु अंगारक योग का निर्माण करेंगे, जो 2 अप्रैल 2026 तक बना रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में इस योग को अशुभ माना गया है। इसे संकट, क्रोध में वृद्धि और मानसिक अशांति का कारक माना जाता है। इसके प्रभाव से जातकों को धन लाभ, व्यापार विस्तार, नौकरी, रोजगार आदि में कई तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती है। इसके अलावा तनाव का स्तर भी बढ़ने लगता है। ऐसे में होली पर बन रहें इस अंगारक योग से किन राशि वालों को अलर्ट रहने की आवश्यकता रहेगी। आइए इसके बारे में जानते हैं।

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए समय मुश्किलों भरा हो सकता है। इस अवधि में कई तरह की समस्याएं झेलनी पड़ सकती है। हालांकि, सेहत को लेकर कई तरह की सावधानियां रखना उचित रहेगा। नए लोगों से मिलेंगे। लेकिन कोई अजनबी पर विश्वास आपके व्यापार को प्रभावित कर सकता है। विदेश से जुड़े काम में कई बाधाएं आ सकती हैं। हालांकि, धैर्यवान रहना आपके कार्यों को आसान बना सकता है।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के खर्च बढ़ सकते हैं। नई नौकरी, सेहत और व्यापार में दिक्कतें आएंगी। कोई कॉलेज में दाखिला लेना अगर चाह रहे थे, तो अभी धैर्य रखना होगा। इस समय किसी भी नए तरह के निवेश में न पड़े। व्यापार में इस दौरान काफी उथल-पुथल बनी रहेगी। कार्यों को पूरा करने में सामान्य से अधिक प्रयास करने होंगे। भावनात्मक निर्णय लेने से बचें।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के लिए समय थोड़ा सावधानी बरतने वाला रहेगा। आपको नया निवेश करने से बचना होगा। घर में वाहन खरीदने का प्लान टाल सकते हैं। अगर विवाह के लिए बात चल रही थी, तो उसमें भी कुछ परेशानियां आपको झेलनी पड़ सकती हैं। आपकी सुख-सुविधाओं में कमी होती है। आप नई यात्रा करने से बचें। विद्यार्थियों को एकाग्रता बनाए रखने में थोड़ी कठिनाई हो सकती है।

Sport

दूसरे दिन तक जम्मू-कश्मीर ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 527 रन बना लिए हैं। बारिश के कारण दिन के खेल को जल्दी रोक दिया गया। फाइनल मुकाबले में रोमांच के साथ-साथ मैदान पर दिखा यह विवाद भी चर्चा का विषय बन गया है।

रणजी फाइनल में बवाल! जम्मू-कश्मीर के कप्तान ने कर्नाटक के फील्डर को मारा सिर, मयंक ने किया बचाव

हुबली। रणजी ट्रॉफी के फाइनल में बड़ा बवाल देखने को मिला है। जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक के बीच हुबई में खेले जा रहे इस मुकाबले में तब विवाद बढ़ गया, जब जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने कर्नाटक के फील्डर को सिर दे मारा। इसके बाद बीच बचाव में मयंक अग्रवाल लड़ाई में कूद पड़े। उन्होंने पारस को आगे बढ़ने से रोका।

रणजी ट्रॉफी फाइनल में गरमाया माहौल

यह घटना रणजी ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन घटी। जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा टीम की पारी के दौरान 101वें अपना आपा खो बैठे और कर्नाटक के एक फील्डर से भिड़ गए। उनको ऐसा करते देख फुटबॉल के महान खिलाड़ी जिनेदिन जिदान की याद आ गई। फ्रांस के इस दिग्गज फुटबॉलर ने 2006 फीफा विश्वकप फाइनल में इटली के खिलाड़ी को सिर दे मारा था। इससे उन्हें रेड कार्ड मिला था। फ्रांस की टीम उस फीफा विश्वकप के फाइनल में हार गई थी।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

डोगरा ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर चौका जड़ा। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर स्लिप में चार रन के लिए गई। हालांकि, गेंद स्लिप क्षेत्र में खड़े फील्डर के बस बगल से गुजरी। इसके तुरंत बाद स्ट्राइकर एंड पर खिलाड़ियों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। स्टंप माइक में भी कुछ तीखी बातें सुनाई दीं।

देखते ही देखते मामला बढ़ गया और डोगरा और कर्नाटक के फील्डर केवी अनीश के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। इसी दौरान पारस ने अनीश के हेल्मेट पर सिर मारा। इससे पहले कि अंपायर बीच-बचाव करते, कर्नाटक के सीनियर बल्लेबाज मयंक अग्रवाल दोनों खिलाड़ियों के बीच आ गए और स्थिति को संभालने की कोशिश की।

स्लेजिंग बनी वजह?

माना जा रहा है कि लगातार की जा रही स्लेजिंग से डोगरा नाराज हो गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोगरा ने बाद में अनीश से सिर मारने के लिए माफी भी मांगी, लेकिन कर्नाटक के खिलाड़ी ने उसे स्वीकार नहीं किया। इस घटना के बाद कर्नाटक के फील्डर और ज्यादा आक्रामक हो गए और डोगरा का ध्यान भटकाने की कोशिश करते रहे। मैच अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर माहौल शांत कराया और दोनों टीमों के खिलाड़ियों से बात की।

पहले दिन चोटिल हुए थे डोगरा

फाइनल के पहले दिन केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर डोगरा नौ रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तभी कर्नाटक के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक की उछाल लेती गेंद उनके दस्ताने पर लगी। चोट लगने के कारण उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा। हालांकि, 41 वर्षीय डोगरा अगले दिन फिर से बल्लेबाजी करने उतरे और धैर्यपूर्ण अर्धशतक जमाया। वह 166 गेंद पर आठ चौके की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें श्रेयस गोपाल ने बोल्ड किया।

जम्मू-कश्मीर की मजबूत शुरूआत

अपने पहले रणजी ट्रॉफी फाइनल में खेल रही जम्मू-कश्मीर टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले दिन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 87 ओवर में 284/2 का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। दूसरे दिन तक जम्मू-कश्मीर ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 527 रन बना लिए हैं। साहिल लोटरा 57 रन और आबिद मुश्ताक 20 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

शुभम पुंडीर ने शानदार शतक लगाया, जबकि अब्दुल समद ने अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पुंडीर ने 247 गेंद में 12 चौके और दो छक्के की मदद से 121 रन की पारी खेली। वहीं, यावेर हसन ने 150 गेंद में 13 चौके की मदद से 88 रन बनाए। समद ने 104 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 61 रन बनाए। इसके अलावा कनहैया वाधवान ने 109 गेंद में नौ चौके की मदद से 70 रन बनाए।

अफगानिस्तान को मिला नया मुख्य कोच, रिचर्ड पायबस को मिली जिम्मेदारी

काबुल। इंग्लैंड में जन्मे रिचर्ड पायबस को जोनाथन ट्रॉट की जगह अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। ट्रॉट का कार्यकाल मौजूदा टी20 विश्व कप से टीम के बाहर होने के साथ ही खत्म हो गया था। पायबस अगले महीने यूएई में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज से पहले टीम की कमान संभालेंगे।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने मंगलवार को बयान में कहा, 'एसीबी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रिचर्ड पायबस को अफगानिस्तान राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह मार्च में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की आगामी सीरीज से पहले टीम से जुड़ेंगे।' खिलाड़ी के रूप में उनका करियर चोटों के कारण प्रभावित रहा, लेकिन कोच के तौर पर उन्होंने उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

पायबस तीन बार विश्व कप जीतने वाली टीमों के मुख्य कोच और क्रिकेट निदेशक रह चुके हैं। उनके पास शीर्ष स्तर पर काम करने का व्यापक अनुभव और हाई-परफोर्मेंस प्रणाली विकसित करने का रिकॉर्ड है। वह 2013 से 2019 तक वेस्टइंडीज के मुख्य कोच, क्रिकेट निदेशक और हाई-परफोर्मेंस प्रमुख रहे। इसी दौरान 2016 में वेस्टइंडीज ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब पुरुष, महिला और अंडर-19 तीनों टीमों ने एक ही कैलेंडर वर्ष में आईसीसी विश्व कप खिताब जीते।

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें 9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क 9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में विजीट चार्ज 499/- ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

करो या मरो मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे रिंकू सिंह?

चेन्नई। सुपर-8 में अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी शिकस्त के बाद टीम इंडिया की नजर जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच पर है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को हर हाल में अब अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे। गुरुवार को खेले जाने वाले मुकाबले से पहले टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने रिंकू सिंह की उपलब्धता को लेकर बड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह आज शाम तक टीम से चेन्नई में जुड़ सकते हैं।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह के पिता खानचंद लिवर कैंसर की बीमारी से जूझ रहे हैं। वह पिछले कुछ दिनों से नोएडा के अस्पताल में भर्ती हैं। मंगलवार को रिंकू भी पिता का हालचाल जानने के लिए चेन्नई से नोएडा पहुंच गए थे।

इसके बाद से उनकी जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में उपलब्धता को लेकर अटकलों का बाजार गर्म था। वहीं, मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बताया कि रिंकू आज शाम तक टीम से जुड़ सकते हैं।

इस दौरान कोटक ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फॉर्म पर भी चर्चा की। दरअसल, मौजूदा टूर्नामेंट में अभिषेक का बल्ला खामोश रहा है। लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अहमदाबाद में खाता तो खोला, लेकिन 15 रन बनाकर आउट हो गए। इस विषय पर बात करते हुए कोटक ने कहा, बीमारी के बाद अभिषेक शर्मा में मोमेंटम नहीं था लेकिन हमें एक खिलाड़ी पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। वह फॉर्म में वापसी से ज्यादा दूर नहीं हैं।

न्यूज कॉलम

बुजुर्ग डॉक्टर के घर से लाखों के आभूषण चोरी
3 माह बाद अलमारी का लॉकर खोला तो पता चला

इंदौर। इंदौर के तिलक नगर इलाके में रहने वाले एक डॉक्टर के यहां लाखों की चोरी की वारदात हो गई। तीन माह बाद जब अलमारी का लॉकर खोला तो उन्हें जानकारी लगी। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर बुधवार को दर्ज की है। वही अब संदेह के आधार पर पुलिस उनके यहां काम करने वाले आधा दर्जन नौकरों से पूछताछ करेगी। तिलक नगर पुलिस ने बताया कि 70 साल के डॉक्टर राजकुमार मुंदडा निवासी साहिला एलाईट ग्रेटर ब्रजेश्वरी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी के मामले में एफआईआर की है। डॉक्टर राजकुमार ने बताया कि उनके घर की अलमारी से बिना लॉक टूटे मोती वाला सोने का हार, झुमका सेट, सोने के कंगन, हीरे का ब्रेसलेट, सोने के झुमके, सोने की अंगूठी, चांदी के बर्तन ओर नकदी रुपए गायब हो गए। उन्होने बताया कि 12 फरवरी को जब उन्होने लॉक खोला तो अलमारी के अदंर कोई जेवर नही थे। जबकि अलमारी का लॉक भी नही टूटा था। डॉक्टर ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसके यहां करीब आधा दर्जन कर्मचारी साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं के लिए आते है। उन्होंने एक कर्मचारी को चॉबी की जानकारी होने की बात भी बताई। पुलिस ने इस मामले में सभी कर्मचारियों के नाम पते की जानकारी ली है। अब पुलिस डॉक्टर के यहां चोरी को लेकर आगे उनसे पूछताछ कर सकती है।

पार्टी के दौरान हुई चाकूबाजी में घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया

इंदौर। महू के बड़गोंदा थाना क्षेत्र में महू-मंडलेश्वर मार्ग स्थित वेकेशन विला फार्म हाउस पर बुधवार देर रात चाकूबाजी की घटना हुई। घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए राऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, फार्म हाउस पर एक पार्टी चल रही थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो बढ़कर चाकूबाजी तक पहुंच गया। घायल युवक को उसके साथियों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों के मुताबिक, जिस फार्म हाउस पर यह पार्टी आयोजित की गई थी, वहां बड़गोंदा सहित अन्य थानों के कुछ पुलिसकर्मियों की मौजूदगी की भी चर्चा है। इतना ही नहीं, पार्टी में तीन युवतियों के शामिल होने की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि उक्त फार्म हाउस इंदौर निवासी विशाल शर्मा और उसके एक साथी का है। घटना के समय फार्म हाउस मालिक विशाल शर्मा अपने दोस्तों के साथ मौके पर मौजूद था। मामले में एसडीओपी ललित सिकरवार का कहना है कि अभी घटना की जानकारी जुटाई जा रही है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) का आयोजन आगामी 1 मार्च को

इंदौर शहर के 100 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 38 हजार 144 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे

परीक्षा की तैयारियों को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में बैठक सम्पन्न

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा ऑफलाइन पद्धति से राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 का आयोजन आगामी 01 मार्च को किया जाएगा। यह परीक्षा इंदौर जिले के 100 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होगी। उक्त परीक्षा के लिए इंदौर के शासकीय और अशासकीय स्कूलों व कॉलेजों को केन्द्र बनाया गया है। शहर में आयोजित इस परीक्षा में कुल 38 हजार 144 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। यह परीक्षा दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 परीक्षा के सम्पूर्ण संचालन हेतु संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े को परीक्षा समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उक्त परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आज संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देश पर संभागायुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त राजस्व एवं प्रभारी परीक्षा अधिकारी श्रीमती सपना एम. लोवंशी ने बैठक में बताया कि राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 के प्रश्नपत्र में बहुवैकल्पिक प्रश्न होंगे। परीक्षा प्रारंभ होने के 45 मिनट पूर्व परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जाएगा। सभी परीक्षार्थी समय पर परीक्षा केन्द्र पर पहुँचें।

मोबाइल फोन रखना प्रतिबंधित

परीक्षार्थियों का प्रवेश मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी प्रवेशपत्र और फोटोयुक्त पहचान पत्र के आधार पर होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व ओएमआर सीट का वितरण किया जाएगा तथा प्रश्न पत्र पुस्तिका का वितरण 11.55 बजे किया जाएगा। परीक्षा पूर्व सभी पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षार्थी को वही सेट मिले जो उनके लिए निर्धारित है। बैठक में प्रभारी परीक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 में परीक्षार्थी प्रवेश पत्र, पहचान पत्र, गोले बनाने हेतू निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटो, पानी की पारदर्शी बाटल, अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट है, को ले जाने की अनुमति रहेगी। बैठक में बताया गया कि परीक्षा के दौरान वीक्षकों को मोबाइल फोन रखना प्रतिबंधित है। साथ ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित है।

जीत-हार से आगे बढ़कर खेल भावना का संदेश देता खेलोत्सव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

आत्मबल, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। किसी भी परिस्थिति में हार न मानें और अपनी सीमाओं को चुनौती देते हुए आगे बढ़ते रहें। ये प्रेरणादायी विचार पद्म श्री से सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय पैरा स्विमर सत्येंद्र लोहिया ने वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव खेलोत्सव 2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। अपने संबोधन में लोहिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि दिव्यांगता शरीर में नहीं, बल्कि सोच में होती है। दृढ़ संकल्प, सकारात्मक विचार, उत्साह और उम्मीद के साथ व्यक्ति अपने हर सपने को साकार कर सकता है। उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए छात्रों को संदेश दिया कि चुनौतियाँ ही सफलता की सीढ़ियाँ बनती हैं। उनका प्रेरक उद्बोधन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ। खेलोत्सव 2026 का उद्देश्य विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखने के साथ-साथ पारंपरिक भारतीय खेलों के प्रति पुनः आकर्षित करना भी है। खेलोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने आठ प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं – क्रिकेट, शतरंज, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, कबड्डी, पिट्ठू, रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) एवं अन्य प्रतिस्पर्धात्मक खेलों– में भाग लेकर अपनी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

1590 बकायादारों से 7 करोड़ वसूले

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में बुधवार को नगर निगम ने शहर में राजस्व वसूली अभियान चलाया। संपत्तिकर और जलकर के 1590 बकायादारों से 7 करोड़ 6 लाख रुपए से अधिक की वसूली की गई। अभियान के तहत सभी जोनल कार्यालयों और निगम मुख्यालय पर विशेष कर संग्रहण शिविर (कैंप डे) आयोजित किए गए। साथ ही सभी जोन क्षेत्रों में सघन वसूली कार्रवाई की गई। प्रभारी राजस्व निरंजन सिंह चौहान और अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव के अनुसार, शाम 6 बजे तक संपत्तिकर और जलकर की 1590 रसीदों के माध्यम से कुल 7.06 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

व्हाट्सएप कॉल कर आरोपी ने खाते में डलवाए 1.60 लाख रुपए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में बीएसएफ के एएसआई के साथ निवेश के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने व्हाट्सएप कॉल कर शेयर और कमोडिटी में निवेश कराने का झांसा दिया और करीब 1 लाख 60 हजार रुपए खाते में डलवा लिए। पुलिस के अनुसार बीएसएफ के एएसआई शौकत खान, निवासी एसटीसी बीएसएफ कैंपस ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए निवेश पर अच्छा लाभ मिलने का दावा किया। आरोपी ने बातचीत के दौरान पहले 30 हजार रुपए खाते में डलवाए। इसके बाद लगातार संपर्क कर अलग-अलग किस्तों में और रुपए डलवाता रहा। आरोपी ने 1 लाख रुपए जमा होने की फर्जी स्लिप भी भेजी, लेकिन खाते में कोई राशि जमा नहीं हुई। आरोपी 6 फरवरी तक कॉल कर और रुपए निवेश करने के लिए कहता रहा। जब खाते में कोई राशि नहीं आई, तब शौकत खान को ठगी का एहसास हुआ।

हाईकोर्ट ने जारी किए नोटिस

हवा में चलने वाले रेस्टोरेंट को लेकर जनहित याचिका

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर के बायपास पर हवा में चल रहे झूलते रेस्टोरेंट को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है जिस पर आज डिविजन बेंच में सुनवाई हुई। यह याचिका ऐडवोकेट चर्चित शास्त्री द्वारा लगाई गई। इसमें कहा गया है कि यह मौत का झूला है। देश में तीन स्थानों पर इस तरह के होटल्स को हादसों के बाद बन्द किया गया है। यहां भी काफी ऊंचाई पर लोगो को ले जाकर उनकी जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

जय माता दी
उज्जैन में नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें। संपर्क करें
मो. 6262369656

वीर हनुमान ज्योतिष दरबार
संकट मोचन के आशीर्वाद से हर काम होगा सफल
यहाँ हस्तरेखा जन्म पत्रिका देखकर जीवन के बारे में बताया जाता है
कारोबार में रुकावट | नौकरी में परेशानी | शादी में रुकावट
विदेश योग, पढ़ाई में रुकावट, पति-पत्नी में अनबन, संतान सुख, बनते-बनते काम बिगड़ना, ग्रह दोष, नज़र दोष, कालसर्प दोष घर में अशांति
सभी कार्य विधि विधान से किया जाता है।
29 ए भवानीपुर कॉलोनी, गोल्डन स्कूल के पास अन्नपूर्णा रोड, इंदौर
सभी जगह से निराश एक बार अवश्य मिले
फिस - 200 रु/-
समय: सुबह 9:00 से शाम 6:00 तक
मो. 9724383998

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 पदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
• दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
• टूर गाइड सुविधा
• आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
• टेम्पो ट्रैवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
• आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रेल 2026
• प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
• दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
• तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रेन अथवा स्लीपर बस में
• चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
• पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
• छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाड़ी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर | हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट
इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करे, मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रुम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com